7

दी नेक्स्ट पोस्ट

साप्ताहिक

3 सुल्तानपुर के सांसद रामभुआल के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी, उग्र हुई थी भीड़

5 पूर्वांचल में हर दिन बिक रहा 10 टन हानिकारक चीन का लहसुन, देसी से कम कीमत पर बेच रहे दुकानदार

6 मुठभेड़ में 30 नक्सली ढेर

UPHIN51019 | वर्षः 02, अंकः 15 | पृष्ठ संख्याः 8 | मूल्यः 1.00 रू. | सोमवार 07 अक्टूबर, 2024

मिशन शक्ति के पांचवें चरण को जल्द लांच करेंगे सीएम

■ लखनऊ [redacted] महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के लिए प्रतिबद्ध योगी सरकार अपने विजन को प्रदेश में 'मिशन शक्ति' के रूप में आगे बढ़ा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस मिशन को और अधिक प्रभावी बनाने और महिलाओं को और अधिक सशक्त करने के लिए शारदीय नवरात्र में इसके पांचवें चरण की शुरुआत करने जा रहे है। इसके तहत दिसम्बर माह तक आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में महिलाओं के साथ बच्चों को भी सम्मिलित किया गया है। कार्यक्रमों की श्रृंखला में अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस, ऑपरेशन मुक्ति, बाल कार्निवाल, वीरांगना दिवस, स्वावलंबन कैंप समेत कई कार्यक्रम शामिल हैं।

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आगामी मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत दिसंबर तक जो गतिविधियां संचालित की जानी हैं, उसमें 11 अक्टूबर तक होने वाले अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस समारोह में लैंगिक समानता पर सेमिनार के साथ ही सफल महिलाओं के साथ टॉक शो, एक दिन की सांकेतिक जिलाधिकारी, कन्या जन्मोत्सव, बाल विवाह, संवाद, घरेलू हिंसा व कार्यस्थल पर महिलाओं के साथ लैंगिक उत्पीड़न, अनंता जैसे विषयों पर जागरूकता का संदेश दिया जाएगा। 11 अक्तूबर को अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस का आयोजन होगा, जिसमें प्रत्येक आंगनवाड़ी तथा राजकीय बालिका/शिशु गृहों में विशेष कन्या पूजन व उनके लिए प्रसाद ग्रहण का आयोजन किया जाएगा। 21 से 31 अक्टूबर तक ऑपरेशन मुक्ति अभियान चलाया जाएगा। 10 से 14 नवंबर के बीच बाल कार्निवाल का आयोजन किया जाएगा। इसमें योग व मेडिटेशन के अतिरिक्त बच्चों द्वारा महापुरुषों के जीवन पर आधारित नाटक एवं ड्रामा का प्रदर्शन के साथ ही खेलकूद प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाएंगी, जबकि नृत्य गायन प्रतियोगिताओं के साथ-साथ पेंटिंग प्रतियोगिता कराई जाएगी। 14 नवंबर को बाल दिवस के उपलक्ष्य में कार्निवाल समापन समारोह में बच्चों द्वारा तैयार किए गए विभिन्न कार्यक्रमों जैसे म्यूजिक, गीत, गान, नाटक आदि का आयोजन, व्यवसायिक शिक्षा, कौशल विकास कार्यक्रमों के अंतर्गत बच्चों द्वारा तैयार उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई जाएगी। 19 नवंबर से प्रदेश के सभी जिलों में वीरांगना दिवस मनेगा। 30 नवंबर से स्वावलंबन कैंप की शुरुआत होगी। इसमें केंद्र व प्रदेश सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं (मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, निराश्रित महिला पेंशन, स्पॉन्सरशिप योजना) से लाभान्वित किए जा सकने वाले परिवारों, महिलाओं तथा बच्चों के आवेदनों की समस्त कार्यवाही इन वन विंडो कैपस के माध्यम से पूरी की जाएगी।

4 दिसंबर को सभी जिलों में कार्यस्थल पर महिलाओं के साथ लैंगिक उत्पीड़न अधिनियम 2013 के अंतर्गत गठित स्थानीय व आंतरिक परिवाद समितियों का प्रशिक्षण कराया जाएगा। 6 दिसंबर को जनपद स्तर पर यौन हिंसा, लैंगिक असमानता, घरेलू हिंसा, कन्या भ्रूण हत्या, कार्यस्थर पर लैंगिक उत्पीड़न तथा दहेज हिंसा आदि की पीड़ित महिलाओं के संरक्षण, सुरक्षा तंत्र, सुझावों तथा सहायता के लिए जिलाधिकारी के साथ 2 घंटे के पारस्परिक संवाद कार्यक्रम का आयोजन होगा। 10 दिसंबर को प्रत्येक ग्राम पंचायत स्तर पर महिला एवं बाल सभाओं का आयोजन तथा महिलाओं तथा बच्चों से संबंधित संवेदनशील मुद्दों पर चर्चा होगी। 16 दिसंबर को प्रदेश के समस्त वन स्टॉप केंद्रों पर जन प्रतिनिधियों के साथ विभागीय योजनाओं तथा कार्यक्रमों पर चर्चा की जाएगी।

और सशक्त होंगी बेटियां

■ अक्टूबर से दिसम्बर तक होंगे महत्वपूर्ण कार्यक्रम

■ अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस, ऑपरेशन मुक्ति, बाल कार्निवाल, वीरांगना दिवस और स्वावलंबन कैंप जैसे होंगे कार्यक्रम

संक्षिप्त खबरें

जियाउल हक हत्याकाण्ड में 10 लोग दोषी करार

लखनऊ। सीओ कुंडा जियाउल हक हत्याकांड मामले में सीवीआई के विशेष न्यायाधीश धीरेन्द्र कुमार ने आरोपी फूलचन्द्र यादव, पवन यादव, मंजीत यादव, घनश्याम सरोज, रामलखन गौतम, छोटे लाल यादव, राम आसरे, मुन्ना पटेल, शिवराम पासी एवं जगत बहादुर पटेल उर्फ बुल्ले पटेल को दोषी करार दिया है। अदालत ने इसी मामले में अन्य आरोपी सुधीर को साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया है।

प्रेमी ने खत्म कर दिया दलित शिक्षक का परिवार

रायबरेली। जिले के गदागंज थाना क्षेत्र के सुदामापुर निवासी दलित शिक्षक सुनील कुमार उसकी पत्नी पूनम भारती, मासूम बेटियां सृष्टि व समीक्षा की निर्मम हत्या के पीछे की मुख्य वजह अवैध सम्बन्ध के अलावा प्रेमी के विरुद्ध मुकदमा लिखाने के बाद उससे मुंह मोड़ लेना माना जा रहा है। शिक्षक की पत्नी के कथित प्रेमी ने महिला से मिली उपेक्षा के बाद जहर खाकर आत्महत्या का प्रयास भी किया था।

केजरीवाल ने मुख्यमंत्री आवास खाली किया

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को 6, फ्लैगस्टाफ रोड स्थित अपना सरकारी आवास खाली कर दिया, जहां वह पिछले नौ साल से रह रहे थे। इसके बाद वह लुटियन दिल्ली में स्थित आप के एक राज्यसभा सदस्य को आवंटित आवास में रहने के लिए चले गए। आप के राष्ट्रीय संयोजक पत्नी, बेटा, बेटी और माता-पिता के साथ 5, फिरोजशाह रोड स्थित आवास में रहने के लिए चले गए।

बीच सड़क लगा लाशों का ढेर

बेटे की मौत की खबर सुनते आंसुओं से भर गईं पिता की आंखें। –

मिर्जापुर में दर्दनाक हादसा: चंद सेकंड की झपकी... हाईवे पर बिछ गईं लाशें, नाली से निकाले गए शव

मिर्जापुर। उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर में दर्दनाक हादसा हुआ।

प्रयागराज–वाराणसी राष्ट्रीय राजमार्ग पर कछवां थाना इलाके के कटका गांव के पास बृहस्पतिवार की रात करीब एक बजे अनियंत्रित ट्रक ने ट्रैक्टर में पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में दस लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल तीन लोगों को बीएचयू के ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया है। सुबह तक राहत व बचाव कार्य चलता रहा। नाली से शव निकाले गए। हादवे पर लाशों का ढेर लग गया। हादसे के बाद मृतकों के परिवारों में कोहराम मच गया। वहीं, दुर्घटना के बाद लोगों ने सड़क पर जाम लगा दिया। बाद में अधिकारियों ने लोगों को समझाकर जाम खुलवाया। पोस्टमार्टम के बाद सभी मृतकों के शव परिजनों को सौंप दिए हैं।

प्रारंभिक जांच में ट्रक चालक को चंद सेकंड की झपकी आने का अंदेशा जताया गया है। पुलिस ने अज्ञात चालक के खिलाफ केस दर्ज किया है। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल, प्रदेश के कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल ने हादसे में मृत लोगों के प्रति शोक संवेदना व्यक्त की है। सभी मृतकों के परिजनों को सीएम सहायता राहत कोष से दो–दो लाख रुपये की आर्थिक मदद दी गई। जबकि घायलों को 50–50 हजार रुपये की मदद दी गई। प्रधानमंत्री राहत कोष से भी मृतकों के परिजनों को दो–दो लाख की सहायता दी जाएगी।

बताया गया है कि भदोही जिले के औराई थाना इलाके के तिउरी गांव में छत की ढलाई का काम खत्म कर देर रात ट्रैक्टर से 12 मजदूर वाराणसी के मिर्जामुराद थाना इलाके स्थित अपने गांव बीरबलपुर लौट रहे थे। ट्रैक्टर के पीछे ट्रॉली की जगह मिक्सर मशीन लगी थी। कुछ लोग ट्रैक्टर पर तो कुछ लोग मिक्सर मशीन पर बैठे थे। साथ में बाइक से ठेकेदार भी चल रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, औराई की तरफ से आ रहा ट्रक अनियंत्रित होकर बाइक को टक्कर मारते हुए ट्रैक्टर से जा टकराया।

टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ट्रैक्टर उछल कर हाईवे के बगल में बने नाले में चला गया।

इसके बाद ट्रक भी ट्रैक्टर को रौंदते हुए नाले में फंस गया। नाले में पानी भरा था। कुछ लोगों की टक्कर से तो कुछ की नाले में ट्रैक्टर व ट्रक के नीचे दबने से मौत हो गई। सूचना पर एसपी अभिनंदन पांच थानों की पुलिस के साथ पहुंचे। मौके पर ट्रैक्टर और बाइक चालक सहित 10 लोगों की मौत हो चुकी थी। गंभीर रूप से घायल तीन लोगों को बीएचयू के ट्रॉमा सेंटर भेजा गया। तीनों की हालत स्थिर बताई जा रही है। ट्रक चालक मौके से फरार हो गया।

हादसे में मारे गए

भानू प्रताप (25)
विकास कुमार (20)
अनिल कुमार (35)
सूरज कुमार (22)
सनोहर (25)
राकेश कुमार (25)
प्रेम कुमार (40)
राहुल कुमार (26)
नितिन कुमार (22)
रोशन कुमार (17)

सम्पादकीय

इलेक्टोरल बॉन्ड्स

केंद्र को अब पारदर्शी चुनावी फंडिंग प्रणाली पर काम करना चाहिएसर्वोच्च न्यायालय को बधाई चुनावी बांड रद्द करने के आदेश से लोकतंत्र मजबूत हुआ

बंगलुरु के तिलक नगर पुलिस स्टेशन में केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के खिलाफ दर्ज एफआईआर ने पूरी भारतीय जनता पार्टी को मुश्किल में डाल दिया है। यह एफआईआर बंगलुरु हाईकोर्ट के निर्देश पर की गयी है। इसके अनुसार सीतारमण एवं अन्य लोगों ने केन्द्रीय जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय का डर दिखाकर 8000 करोड़ रुपये से भी ज्यादा की राशि उगाही थी। जनाधिकार संघर्ष परिषद के सह अध्यक्ष आदर्श अय्यर ने बंगलुरु की जन प्रतिनिधियों की विशेष अदालत में एक शिकायत दर्ज की थी जिसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि चुनावी बॉन्ड्स के रूप में जबरन डरा–धमकाकर धन की वसूली की गयी है। एसीएमएम कोर्ट ने शिकायत की एक प्रति रिकॉर्ड के लिये थाने भेजने का भी निर्देश दिया है। एफआरआई के लम्बित होने के कारण सुनवाई 10 अक्टूबर तक के लिये टाली गयी है। शिकायतकर्ता के अनुसार सीतारमण ने ईडी अधिकारियों के माध्यम से जो जबरन वसूली की, उसमें अन्य भारतीय जनता पार्टी के नेताओं का भी सहयोग था। शिकायत में ईडी अधिकारियों तथा केन्द्रीय कार्यालय के अधिकारी तो शामिल हैं ही, कर्नाटक भाजपा के पूर्व सांसद नलिन कुमार कतील, भाजपा अध्यक्ष बीवाई विजयेन्द्र एवं एक और भाजपा नेता शामिल है।

आरोप है कि वित्तमंत्री पद पर बैठी सीतारमण तथा अन्य लोगों ने 8000 करोड़ रुपयों की जबरन वसूली की। विभिन्न कार्पोरेट कम्पनियों के उच्चाधिकारियों को गिरफ्तारी का डर दिखाया गया तथा छापों की धमकी देकर भाजपा के लिये चुनावी बॉन्ड्स खरीदने पर मजबूर किया गया। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष की फरवरी में सुप्रीम कोर्ट ने भाजपा सरकार द्वारा 2019 में लाई गई इलेक्टोरल बॉन्ड्स की योजना को असंवैधानिक बतलाते हुए इसे लोगों के सूचना के अधिकार का हनन भी बताया था क्योंकि भाजपा सरकार उन लोगों के नाम जाहिर करने से इंकार करती रही जिन्होंने उसे इस रूप में चंदा दिया था। सरकार का यह कहना था कि जनता को इससे कोई सरोकार ही नहीं होना चाहिये कि किन लोगों ने किन राजनैतिक दलों को चंदा दिया है। ये बॉन्ड्स भारतीय स्टेट बैंक के जरिये खरीदे गये थे।

स्वतंत्र याचिकाकर्ताओं की मांग थी कि लोकसभा चुनाव (2024) के पहले यह सूची जारी होनी चाहिये ताकि नागरिकों को पता चल सके कि किस पार्टी ने किस कम्पनी से कितने पैसे लिये हैं जबकि इसके लिये सरकार तथा उसके इशारे पर एसबीआई तैयार नहीं थी। बैंक अधिकारियों का कहना था कि इस काम के लिये उन्हें तीन माह का समय लग जायेगा। उद्देश्य यह था कि तब तक चुनाव निकल जाये तत्पश्चात ही ये आंकड़े सार्वजनिक किये जायें ताकि उसका चुनावी परिणामों पर असर न हो। देश की कारोबारी लॉबी ने भी इस मामले में शामिल होकर उच्चतम न्यायालय से गुजारिश की थी कि ऐसा न होने दिया जाये वरना उनकी साख पर भी बट्टा लग सकता है।

सुप्रीम कोर्ट की कड़ाई के बाद जब ये आंकड़े केन्द्रीय निर्वाचन आयोग की वेबसाइट पर अपलोड हुए तो देश में तूफान खड़ा हो गया। उसके साथ ही ये जानकारियां भी सामने आईं कि किस तरह से छापेमारी तथा गिरफ्तारियों का डर दिखाकर कम्पनियों एवं कारोबारियों से भाजपा ने बॉन्ड्स खरीदवाए थे। इतना ही नहीं, यह भी सामने आ गया कि ईडी, आयकर, सीबीआई जैसी जांच एजेंसियों का किस तरह से दुरुपयोग भाजपा सरकार द्वारा किया गया था। ईडी तथा आयकर के सूत्र वित्त मंत्री के हाथों में होते हैं। इसलिये पहले से ही सीतारमण की ओर भी शक की सुइयां घूमती रही थीं। यह अलग बात है कि वे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के पीछे छिपती रहीं।

नया खुलासा उसी श्रृंखला की एक कड़ी के रूप में देखा जाना चाहिये। वैसे तो पहले ही यह स्पष्ट हो चुका था कि भाजपा इन एजेंसियों के माध्यम से धन उगाही करती रही है, नयी बात तो यह है कि भाजपा का यह दावा भी खोखला साबित हो गया है कि इन एजेंसियों को सरकार की ओर से कोई निर्देश नहीं दिये जाते और उनके अधिकारियों को भ्रष्टाचार को रोकने की खुली छूट दी गयी है। इस आशय के बयान स्वयं मोदी संसद के भीतर तथा मीडिया में देते रहे हैं। इस एफआईआर ने साबित कर दिया है कि विपक्ष का यह आरोप बिलकुल सही था कि सरकार के इशारे पर ये छापेमारी तथा गिरफ्तारियां होती रही हैं जिसका उद्देश्य लोगों से धन उगाही करना है।

इलेक्टोरल बॉन्ड्स के खुलासे के बाद ज्ञात हुआ कि न केवल छापेमारी के डर से कम्पनियों ने बॉन्ड्स खरीदे बल्कि बहुत से ऐसे भी हैं जिन्होंने इसके बल पर सरकार से बड़े ठेके प्राप्त किये।

भाजपा खुद को भ्रष्टाचार से मुक्त तथा सारे विपक्ष को भ्रष्ट कहती आई है। जांच के नाम पर न जाने कितने विपक्षी लोगों के यहां छापे मारे गये और अनेक को जेल भेजा गया। यदि भाजपा का भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस का दावा इतना ही सही है तो सरकार को चाहिये कि वह इस मामले की जांच करे तथा भाजपा जो अपने को 'पार्टी विद ए डिफरेंस' कहती आई है, उसे चाहिये कि वह तत्काल सीतारमण का इस्तीफा ले। हालांकि ऐसा होगा नहीं क्योंकि सभी जानते हैं कि वे कठपुतली मात्र हैं जो मोदी–शाह के इशारे पर काम करती हैं। सीतारमण को ही चाहिये कि वे तब तक अपने आप को वित्त मंत्रालय से अलग कर लें जब तक कि इस मामले की जांच पूरी नहीं होती। लोकतांत्रिक और नैतिकता का तकाज़ा यही है। इसे लेकर कांग्रेस हमलावर है, जो कि स्वाभाविक ही है।

मोदी का एक ही सपना

जम्मू–कश्मीर के मामले में हर प्रधानमंत्री का रोल ऐसा ही होता था। देश हित सबसे पहले। जनता पार्टी के लोग उस चुनाव में 1977 के बड़ी तादाद में चुनाव लड़े थे। मगर केन्द्र सरकार और राज्य प्रशासन की उन्हें कोई मदद नहीं मिली। नतीजा शेख अब्दुल्ला ने 76 में से 47 सीटें जीतकर सरकार बनाई। जनता पार्टी 13 सीटों पर जीती। कांग्रेस से ज्यादा। कांग्रेस को केवल 11 मिलीं। तोजो हमारी शंका थी उसी के अनुरूप प्रधानमंत्री मोदी ने जम्मू–कश्मीर में अपनी आखिरी सभा में दावा कर ही दिया। हालांकि ऐसा दावा कश्मीर को लेकर किसी प्रधानमंत्री ने कभी नहीं किया। सबने एक ही बात कही है कि पार्टी कोई भी जीते सरकार किसी की भी बने वहां जीत भारत के लोकतंत्र की होना चाहिए। नरसिम्हा राव से लेकर वाजपेयी और मनमोहन सिंह तक ने। मगर मोदी ने शनिवार को जम्मू में कहा कि पहली बार जम्मू–कश्मीर में भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बनने जा रही है। हम पहले से कहते रहे हैं कि– जम्मू– कश्मीर में लगातार चुनाव टाले जाने की एक ही वजह है कि मोदी को वहां अपना मुख्यमंत्री बनाए जाने की संभावना नहीं दिख रही है।

मोदी जी कहने को तो खुद की तुलना तो नेहरू–इंदिरा की करते हैं मगर जानते हैं कि उनका फील्ड बहुत बड़ा था। इतिहास में वे उनके मुकाबले कहीं नहीं टिक पाएंगे। इसलिए वे हिन्दुत्ववादी नेताओं में सबसे बड़े बनना चाहते हैं और इसके लिए देश के एकमात्र मुस्लिम बहुल प्रदेश में अपना मुख्यमंत्री बनाना चाहते हैं। आडवानी संघ सबको बताना कि देखो मैंने किया! अब यह हो पाएगा या नहीं यह अलग मुद्दा है। मगर आतंकवाद के 35 साल के दौर में मोदी पहले ऐसे प्रधानमंत्री हैं जो वहां भारत की भाषा न बोलकर अपनी पार्टी की भाषा बोल रहे हैं। आतंकवाद के दौर में पहला चुनाव 1996 में हुआ था। प्रधानमंत्री थे नरसिम्हा राव। जम्मू –कश्मीर के चुनाव के बाद उन्हें अपने लोकसभा के चुनाव करवाना थे। कश्मीर में कांग्रेस का मुख्यमंत्री बनवाने का फायदा उन्हें लोकसभा चुनाव में मिल सकता था। मगर नरसिम्हा राव ने एक बार भी वहां कांग्रेस का मुख्यमंत्री बनाने की कोशिश नहीं की। फारूख अब्दुल्ला को बनवाया। सबकी सहमति थी कि कश्मीर में हालत सही करने के लिए और पाकिस्तान को मुंह तोड़ जवाब देने के लिए फारूख से उपयुक्त और कोई नहीं होगा। भाजपा की भी थी। जिसके नेता उस समय वाजपेयी, आडवानी और मुरली मनोहर जोशी थे।

यहां थोड़ा सा यह और बता दें कि आतंकवाद के दौर में या उससे पहले फ्री और फेयर इलेक्शन कम होता था। दिल्ली तय करती थी और कमोबेश वैसे ही नतीजे आते थे। 1951 में जब वहां कान्स्टिट्यूशनल असेम्बली का चुनाव था तो सभी 75 सीटों पर निर्विरोध चुनाव हो रहा था।

शेख अब्दुल्ला सबसे बड़े नेता थे। जब उनसे कहा गया कि चुनाव होना चाहिए। तो उन्होंने कहा कि क्या मैं पापुलर नहीं हूं? दरअसल शेख अब्दुल्ला इसके जरिए पाकिस्तान और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को जवाब देना चाहते थे कि देखो जम्मू–कश्मीर ने एक मत से भारत के समर्थन का फैसला किया है। मगर संयुक्त राष्ट्र शेख अब्दुल्ला की यह योजना समझ गया था और उसने कहा कि वह इस चुनाव को जनमत संग्रह का विकल्प नहीं मानेगा। जब शेख साहब को यह मालूम पड़ा तो फिर उन्होंने कुछ सीटों पर चुनाव करवाया। हालांकि रिजल्ट पूरा नेशनल कांफ्रेंस के पक्ष में आया। और यह जम्मू–कश्मीर में चुनावों की परंपरा बन गई। कहा जाता था कि अगर शेख साहब बिजली के खंबे को भी मेन्डेट दे दें तो वह भी जीत जाएगा। जम्मू–कश्मीर में पहला फ्री एंड फेयर चुनाव 1977 में हुआ था। मोरारजी देसाई ने करवाया था। हालांकि उन्हीं के सरकार के वरिष्ठ मंत्री जिनमें गृह मंत्री चरण सिंह और सबसे सीनियर मंत्री जगजीवन राम शामिल थे इस पक्ष में नहीं थे।

उन्होंने कहा कि जैसे होते आए हैं वैसे होने दीजिए। मगर मोरार जी ने किसी की नहीं सुनी। मुख्य चुनाव आयुक्त भी कश्मीरी थे। बीएल शकधर ने उन्हें बुलाकर कहा कि एकदम स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव होना चाहिए। और वैसा ही हुआ। करीब 50 साल हो गए। जम्मू–कश्मीर के लोग आज भी याद करते हैं। तो जम्मू–कश्मीर के मामले में हर प्रधानमंत्री का रोल ऐसा ही होता था। देश हित सबसे पहले। जनता पार्टी के लोग उस चुनाव में 1977 के बड़ी तादाद में चुनाव लड़े थे। मगर केन्द्र सरकार और राज्य प्रशासन की उन्हें कोई मदद नहीं मिली। नतीजा शेख अब्दुल्ला ने 76 में से 47 सीटें जीतकर सरकार बनाई। जनता पार्टी 13 सीटों पर जीती। कांग्रेस से ज्यादा। कांग्रेस को केवल 11 मिलीं। और जमाते इस्लामी को केवल एक। जबकि पिछले विधानसभा में उसके पास पांच सीटें थीं।

कश्मीर में पाकिस्तान को सबसे पहला मौका कब मिला? 1987 के चुनाव में। यह चुनाव राजीव–फारूख समझौते के बाद हुआ था। दो सबसे बड़ी पार्टियां नेशनल कान्फ्रें स और कांग्रेस मिलकर चुनाव लड़े थे। मुकाबले में कई पार्टियों का एक महासंघ मुस्लिम युनाइटेड फ्रंट (मफ) बना। इस दौरान कई अलगाववादी नेता भी मुख्यधारा में आए थे। बाद में सबसे बड़े अलगाववादी और पाक समर्थक नेता बने सैयद अली शाह गिलानी ने वह चुनाव लड़ा था। और सोपोर से जीते थे। उनकी पार्टी जमाते इस्लामी के अलावा प्रो. अब्दुल गनी लोन जिनकी 2002 में आतंकवादियों ने हत्या कर दी थी, की पार्टी पीपुल्स कॉंफ्रेंस ने भी चुनावों में हिस्सा लिया था। मगर इस चुनाव के बारे में सबसे बड़ा आरोप है कि उसका रिजल्ट मतदान केन्द्रों में बदल दिया गया। फोन तो होते नहीं थे। लोग मतगणना अधिकारी से पूछकर बाहर जाकर अपने जीतने की घोषणा करते थे फिर वापस जब मतगणना केन्द्र में अन्दर आते थे तो उनके प्रतिद्वंद्वी को जीत का सर्टिफिकेट दिया जा चुका होता था।

जनता ने इस रिजल्ट को स्वीकार किया ही नहीं। आतंकवाद की शुरूआत यहीं से मानी जाती है। 1987 के बाद अगला चुनाव सीधे 1996 में हुआ। जो एक बहुत मुश्किल दौर था। कश्मीर के अन्दरूनी हालत को लेकर भी और अन्तरराष्ट्रीय हस्तक्षेप की वजह से भी। यूएन में पाकिस्तान लगातार सवाल उठा रहा था। अमेरिका–चीन जैसे देश उसे हवा दे रहे थे। ऐसे में कश्मीर में चुनी हुई सरकार ही सबसे सटीक जवाब था। और वही 1996 में चुनाव करवा कर दिया गया। इसके बाद का चुनाव 2002 का भी वहां ऐतिहासिक रहा। दूसरा फ्री एंड फेयर इलेक्शन माना जाता है। मोदी जी ध्यान करें। वह भाजपा के पहले प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने करवाया था। उन्होंने भी कहा कि यह चुनाव किसी पार्टी की जीत–हार का नहीं है।

कश्मीर में लोकतंत्र मजबूत करने का है। और नतीजा क्या रहा? उनकी पार्टी भाजपा की सहयोगी पार्टी नेशनल कांफ्रेंस को हार का सामना करना पड़ा। भाजपा का एनसी से गठबंधन था। केन्द्र की उनकी सरकार में उमर अब्दुल्ला मंत्री थे। मुफ्ती मोहम्मद सईद और कांग्रेस ने मिलकर सरकार बनाई। और केन्द्र से वाजपेयी का पूरा समर्थन रहा। पिछले चार दशकों की सबसे अच्छी सरकार। 2002 से 2005 की। मुफ्ती साहब की। कश्मीर में विश्वास की वापसी। मगर 2005 में गुलाम नबी आजाद ने मुख्यमंत्री बनकर सब किए धरे पर पानी फेर दिया। 2005 से 2008 तक असफल सरकार। तो जम्मू–कश्मीर का चुनाव इतिहास बहुत उतार–चढ़ाव वाला रहा है। अब एक अक्टूबर मंगलवार को तीसरे फेज का मतदान भी हो जाएगा। नतीजा 8 अक्टूबर को आएगा।

क्या होगा? इस पर अब कयासबाजी की जरूरत नहीं। मगर इतना पूरा इतिहास लिखने की जरूरत इसलिए थी कि बताया जा सके कि जम्मू–कश्मीर का चुनाव दूसरे चुनावों से अलग होता है। अन्तरराष्ट्रीय मीडिया के अलावा अमेरिका सहित कई देशों के डिप्लोमेट्स आते हैं। इसी से हम पाकिस्तान के इस प्रचार का जवाब देते हैं कि देख लो यहां कोई आयरन कर्टेन (लोहे का परदा) नहीं है। और कश्मीर हमारे लिए पार्टी पोलटिक्स की चीज नहीं है बल्कि वहां की अवाम की इच्छाओं–आकांक्षाओं को मूर्त रूप देने की लोकतांत्रिक कोशिश है। पहले तो हर प्रधानमंत्री ने यही किया। अब देखते हैं मोदी जी दावा तो वहां बड़ा कर आए हैं। अब क्या करते हैं!

म्यांमार सैन्य शासन का सशस्त्र विद्रोहियों को राजनीतिक वार्ता के लिए आमंत्रण

विद्रोहियों को बातचीत के लिए लाने की भारत की पहल दक्षिण–पूर्व एशियाई राष्ट्रों के संगठन (आसियान) द्वारा इसी तरह की पहल के बीच आई है, जिसे म्यांमार ने कभी गंभीरता से नहीं लिया। आसियान सदस्य देशों के प्रमुख नेताओं ने गतिरोध को समाप्त करने के लिए म्यांमार की कई यात्राएं कीं, लेकिन कोई फ़ायदा नहीं हुआ। तेजी से बदलते घटनाक्रम में म्यांमार के सत्तारूढ़ सैन्य शासक वर्ग(जुंटा) ने सशस्त्र विद्रोही समूहों को लड़ाई बंद करने और राजनीतिक वार्ता में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया है। जुंटा ने एक बयान में कहा, 'हम जातीय सशस्त्र समूहों, आतंकवादी विद्रोही समूहों और आतंकवादी पीडीएफ समूहों को आमंत्रित करते हैं जो राज्य के खिलाफ लड़ रहे हैं और आह्वान करते हैं कि वे आतंकवादी लड़ाई छोड़ दें और राजनीतिक समस्याओं को राजनीतिक रूप से हल करने के लिए हमारे साथ संवाद करें।'

यह उन समाचार रिपोर्टों के बाद आया है जिनमें कहा गया है कि भारत के सरकारी वित्त पोषित थिंक टैंक, इंडिया काउंसिल ऑफ वर्ल्ड अफेयर्स (आईसीडब्ल्यूए) ने एनयूजी, काचिन इंडिपेंडेंस आर्मी (केआईए), अराकान आर्मी और चिन नेशनल फ्रंट के प्रतिनिधियों को सेमिनार में आमंत्रित किया है। इस बीच, चीन, जो लंबे समय से म्यांमार के जातीय सशस्त्र समूहों को प्रभावित करता रहा है, म्यांमार नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस आर्मी (एमएनडीएए) पर दबाव डाल रहा है कि वह अन्य विपक्षी ताकतों के साथ गठबंधन न करे, जिन्हें चीन पश्चिमी देशों द्वारा समर्थित मानता है, विशेषज्ञों का कहना है। एमएनडीएएथ्री ब्रदरहुड अलायंस का हिस्सा है जिसमें तांग नेशनल लिबरेशन आर्मी (टीएनएलए) और अराकान आर्मी (एए) शामिल हैं। एमएनडीएए, जिसे कोकांग जातीय सशस्त्र समूह के रूप में भी जाना जाता है, जिसके सदस्य कोकांग के मूल निवासी मंदारिन–भाषी हान चीनी हैं, ने सोशल मीडिया पर चीन के साथ अपने गठबंधन की पुष्टि करते हुए एक बयान फिर से पोस्ट किया।

4 सितंबर को संक्षिप्त रूप से पोस्ट किये गये और 19 सितंबर को फिर से पोस्ट किये गये उसके बयान में कहा गया, 'हमारी राजनीतिक लाल रेखा चीन के खिलाफ़ लोगों के साथ गठबंधन बनाने या साथ काम करने की नहीं है।' म्यांमार में रणनीतिक रूप से स्थित जातीय सशस्त्र समूह एमएनडीएएपर बीजिंग का दबाव देश के राजनीतिक परिदृश्य पर नियंत्रण बनाये रखने की उसकी इच्छा को दर्शाता है। चीन के साथ म्यांमार की पूर्वोत्तर सीमा पर स्थित एमएनडीएएपर विपक्षी ताकतों से संबंध खत्म करने का दबाव बनाया जा रहा है, जिन्हें बीजिंग अमेरिका का समर्थन प्राप्त मानता है। कभी आर्थिक सहयोग का प्रतीक रही चीन और म्यांमार के बीच की सीमा म्यांमार में चल रहे गृहयुद्ध और महामारी के प्रति चीन की प्रतिक्रिया के कारण और अधिक प्रतिबंधात्मक हो गयी है। कभी छिद्रपूर्ण रही सीमा को अब बाड़ और निगरानी से मजबूत किया गया है, जो बिगड़ते संबंधों को दर्शाता है।

जबकि चीन ने म्यांमार में व्यापार गलियारे के लिए भारी निवेश किया है, वर्तमान संघर्ष ने इन योजनाओं को बाधित कर दिया है। बीजिंग ने संघर्ष में मध्यस्थता करने का प्रयास किया है, लेकिन उसे चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। गृहयुद्ध ने सीमा पर कभी संपन्न रहे आर्थिक क्षेत्रों को भी प्रभावित किया है। तनाव के बावजूद कुछ स्थानीय लोग सीमा पार अनौपचारिक संबंध बनाये रखना जारी रखते हैं।

हाल ही में रॉयटर्स की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत ने म्यांमार के विद्रोहियों को मध्य नवम्बर में प्रस्तावित सेमिनार में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया है जो सैन्य सरकार और समानांतर राष्ट्रीय एकता सरकार (एनयूजी) के प्रतिनिधियों से संघर्षरत हैं। यह पहली बार है जब भारत औपचारिक रूप से म्यांमार के विद्रोहियों से जुड़ेगा, जिन्हें लोकप्रिय रूप से 'प्रतिरोध' कहा जाता है। फरवरी 2021 के तख्तापलट के बाद से म्यांमार में स्थिति नियंत्रण से बाहर हो गयी है, तथा विद्रोहियों ने सीमावर्ती राज्यों सहित 60प्रतिशत से अधिक क्षेत्र पर नियंत्रण कर लिया है।

हाल के महीनों में, विद्रोहियों और सेना के बीच भीषण लड़ाई का भारत के सीमावर्ती राज्यों पर भी असर पड़ा है, जहां शरणार्थियों की बाढ़ आ गयी है, जिनमें से कई हथियार और गोला–बारूद के साथ आते हैं। भारत को डर है कि इससे म्यांमार के साथ उसकी 1650 किलोमीटर लंबी सीमा और दोनों देशों से जुड़ी कई बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में अस्थिरता आ सकती है। इसे देखते हुए, सरकार द्वारा वित्तपोषित थिंक टैंक, इंडिया काउंसिल ऑफ वर्ल्ड अफेयर्स (आईसीडब्ल्यूए) ने कथित तौर पर एनयूजी, काचिनइंडिपेंडेंस आर्मी (केआईए), अराकान आर्मी और चिन नेशनल फ्रंट के प्रतिनिधियों को सेमिनार में आमंत्रित किया है। हालांकि, चिन नेशनल फ्रंट को छोड़कर, म्यांमार की सेना सहित आमंत्रित लोगों में से किसी ने भी इस पर कोई टिप्पणी नहीं की है। यहां तक कि भारत सरकार और आईसीडब्ल्यूए ने भी कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की है। जातीय विद्रोही समूहों में से एक, चिन नेशनल फ्रंट के उपाध्यक्ष सुई खार ने कहा, 'हम प्रतिनिधि भेजने जा रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि यह पहली बार होगा जब भारत औपचारिक रूप से गैर–सरकारीकार्यकर्ताओं के साथ बातचीत करेगा। यह एक अच्छा, सकारात्मक दृष्टिकोण है।' भारत ने आधिकारिक यात्राओं के माध्यम से म्यांमार के शासकों के साथ संबंध बनाये रखा है और तख्तापलट से पहले औपचारिक रूप से किये गये कुछ हथियारों के सौदों को जारी रखा है। इसने दक्षिण–पूर्व एशियाई राष्ट्र में बढ़ते संघर्ष और उसके परिणामस्वरूप मानवीय संकट के बारे में चिंता व्यक्त करने से परहेज किया है। हालांकि, इस साल जून में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने म्यांमार में भारत की परियोजनाओं के लिए सीमा अस्थिरता और सुरक्षा जोखिमों के बारे में चिंता व्यक्त की।

भारत पश्चिमी म्यांमार में +400 मिलियन की कलादान बंदरगाह और राजमार्ग परियोजना को सक्रिय रूप से विकसित कर रहा है। साथ ही एक अलग सड़क परियोजना में लगभग +250 मिलियन का निवेश भी कर रहा है जो म्यांमार के माध्यम से थाईलैंड के साथ अपने भू–आबद्ध पूर्वोत्तर राज्यों को जोड़ेगी।

विद्रोहियों को बातचीत के लिए लाने की भारत की पहल दक्षिण–पूर्व एशियाई राष्ट्रों के संगठन (आसियान) द्वारा इसी तरह की पहल के बीच आई है, जिसे म्यांमार ने कभी गंभीरता से नहीं लिया। आसियान सदस्य देशों के प्रमुख नेताओं ने गतिरोध को समाप्त करने के लिए म्यांमार की कई यात्राएं कीं, लेकिन कोई फ़ायदा नहीं हुआ। हाल ही में, चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने म्यांमार की राजधानी नेपीडा का अचानक दौरा किया, ऐसी रिपोर्ट के बीच कि म्यांमार के सैन्य शासक विद्रोहियों की मदद करने और सैन्य सरकार के साथ कामकाजी संबंध बनाये रखने की चीन की दोहरी नीति पर नाराज़गी व्यक्त कर रहे हैं।

मामूली सी बात पर सिपाही से विवाद, चेंबर में घुसकर हथौड़े से डाक्टर का सिर फोड़ा, केस दर्ज

गोरखपुर। डॉक्टर पर हमले की सूचना मिलते ही एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर ने मौके पर पहुंच कर घटना की जानकारी ली। सिपाही के खिलाफ केस दर्ज कर उसे हिरासत में ले लिया गया। छात्रसंघ चौक स्थित गैस्ट्रो लीवर हॉस्पिटल में डॉक्टर अनुज सरकारी के चेंबर में घुसकर एक सिपाही ने उनके सिर पर हथौड़े से हमला कर दिया। चोट लगने से डॉक्टर का सिर फट गया। उन्हें घायल अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद हॉस्पिटल के कर्मचारियों ने सिपाही की पिटाई कर उसे कैंट पुलिस को सौंप दिया। सिपाही के साथ आए दो अज्ञात वर्दी धारियों पर भी केस दर्ज किया गया है। संतकबीरनगर खलीलाबाद के रहने वाला पंकज कुमार यूपी पुलिस में कांस्टेबल के पद पर बलिया तैनात है। वर्तमान में वह सस्पेंड चल रहा था। जानकारी के अनुसार, पंकज की पत्नी को पेट से जुड़ी बीमारी है। वह कैंट इलाके में छात्रसंघ चौराहे के पास क्लीनिक चलाने वाले गैस्ट्रो रोग विशेषज्ञ चिकित्सक डॉ. अनुज सरकारी के यहां पत्नी का इलाज करा रहा था। बृहस्पतिवार शाम पत्नी को दिखाने आया था। आरोप है कि अल्ट्रासाउंड

के पैसे को लेकर विवाद के बाद गुस्से में आए सिपाही ने डॉक्टर को धक्का दे दिया था। इसके बाद डाक्टर के स्टाफ ने सिपाही की जमकर पिटाई की थी। आरोप है कि उसके सिर में चोट आया था। मामला थाने पर पहुंचा था, लेकिन बाद में दोनों पक्षों में समझौता हो गया था।

पुलिस के साथ चेंबर में गया और कर दिया हमला

इस घटना से आहत सिपाही पंकज शुक्रवार को एक बार फिर डॉक्टर के क्लीनिक पर पहुंचा और उसने इस दौरान डायल 112 पर फोन कर विवाद की जानकारी देकर पुलिसवालों को भी बुला लिया। पुलिसवालों के साथ डॉक्टर के चेंबर में पहुंचा अपने पास झोले में छिपा कर रखे हथौड़े से डॉक्टर के ऊपर हमला कर दिया। सिर पर हथौड़ा लगने से डॉक्टर घायल हो गए।

डायल 112 के सिपाही व अन्य लोगों ने पंकज को काबू में किया हालांकि इस घटना से गुस्साए डॉक्टर के स्टाफ ने पंकज की शुक्रवार को भी पिटाई की। इंस्पेक्टर कैंट संजय सिंह और उनकी टीम मौके पर पहुंची उन्होंने अफसरों को बताया जिसके बाद एसएसपी डा. गौरव ग्रोवर, एसपी सिटी अभिनव त्यागी, सीओ कैंट योगेन्द्र सिंह मौके पर पहुंच गए। एसएसपी ने डॉक्टर से बात कर पूरी घटना की जानकारी ली। चेंबर में मौजूद सीसी टीवी कैमरे की जांच की और कार्रवाई का निर्देश दिया।

पत्नी की बीमारी की वजह से हुआ सस्पेंड

संतकबरीनगर निवासी सिपाही पंकज कुमार की बलिया जिले में तैनाती है। अपनी पत्नी की बीमारी को लेकर वह ज्यादा परेशान था। बीमारी के चलते ही अधिक समय तक छुट्टी न मिलने के चलते वह गैरहाजिर चल रहा था। जिसकी वजह से उसे सस्पेंड कर दिया गया था। वर्तमान में वह घर पर रहकर पत्नी का इलाज करा रहा था।

पत्नी के सामने पिटाई से आहत था सिपाही

क्लीनिक पर विवाद के बाद पत्नी के सामने पिटाई से आहत होने पर शुक्रवार की घटना होने की आशंका जताई जा रही है। आरोप यह भी है कि सिपाही पिटाई को लेकर कार्रवाई की मांग कर रहा था लेकिन समझाबुझा कर समझौता करा उसे घर भेज दिया गया था। डॉक्टर पक्ष का कहना था कि उसने ही विवाद किया और डॉक्टर अनुज को धक्का दे दिया था। डॉक्टर पक्ष पिटाई से इंकार करता रहा।

डॉक्टर पक्ष का कहना था कि उसके सिर में आई चोट उसकी पत्नी की चूड़ी की वजह से आई है। सिपाही ने डॉक्टर और उनके लोगों पर पिटाई का आरोप लगाया। उसी पिटाई से सिर में भी चोट लगने की बात कही थी। शुक्रवार को वह दोबारा तैयारी के साथ डॉक्टर की क्लीनिक पर पहुंचा था। उसने अपने साथ एक झोला लिया था। झोले में डॉक्टर के पर्चे के अलावा एक हथौड़ी भी रखा था।

डॉक्टर पर हथौड़ी से हमला करने वाले सिपाही को हिरासत में ले लिया गया है। डॉक्टर की तहरीर पर केस दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है। घटना कैसे और क्यों हुई है इसकी भी जांच कराई जा रही है।– डॉ. गौरव ग्रोवर, एसएसपी

सुल्तानपुर के सांसद रामभुआल के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी, उग्र हुई थी भीड़

गोरखपुर। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट /विशेष न्यायाधीश एमपी–एमएलए ज्ञानेंद्र कुमार ने बड़हलगंज थाना क्षेत्र के दवनाडीह निवासी सुल्तानपुर के सांसद रामभुआल निषाद के खिलाफ शुक्रवार को गैर जमानती वारंट जारी किया है। साथ ही एसएचओ बड़हलगंज को नोटिस भी जारी किया। न्यायालय की ओर से प्रक्रिया जारी करने के बावजूद न्यायालय में उपस्थित न होने पर कोर्ट ने वारंट जारी किया है। जानकारी के अनुसार, वर्ष 2015 में मृतक का शव पुलिस की देख–रेख में दाह संस्कार के लिए लाया जा रहा था। आरोपी रामभुआल निषाद के नेतृत्व में सैकड़ों लोगों ने शव को पटना चौराहे पर सड़क के बीचोबीच रखकर राष्ट्रीय राजमार्ग को जाम कर दिया था। इससे आवागमन बाधित हो गया। थानाध्यक्ष प्रभातेश कुमार और उनके हमराहियों ने जाम खुलवाने का प्रयास किया गया तो आरोपी और उनके सहयोगी पुलिस के साथ गालीगलौज करते हुए जान से मारने की धमकी देने लगे। इससे शांति व्यवस्था छिन्न–भिन्न हो गई थी।

आरोपी ने पुलिस की पिस्टल छीनकर किया हमला, पुलिस ने जवाबी कार्रवाई में चलाई गोली

गोरखपुर। रायबरेली जिले के गदागंज थाना क्षेत्र के सुदामापुर गांव निवासी शिक्षक सुनील कुमार उसकी पत्नी पूनम भारती बेटी सृष्टि व लाडो की हत्या करने वाले आरोपी चंदन को एसटीएफ टीम ने शुक्रवार गिरफ्तार किया था। देर रात पुलिस अधीक्षक अनूप सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस का चंदन के गिरफ्तारी की बात मीडिया को बताई थी। प्रेस कांफ्रेंस के बाद पुलिस टीम घटना में प्रयुक्त तमंच और बाइक बरामद करने के लिए आरोपी को लेकर निकाली थी। मोहनगंज थाना क्षेत्र के पूरे विंध्य नहर पट्टी के पास अचानक चंदन ने साथ चल रहे दरोगा मदन कुमार की पिस्तौल छीन पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर। जवाबी कार्यवाही में पुलिस टीम ने चंदन के पैर पर गोलीमार जख्मी कर दिया। जख्मी चंदन को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है जहां उसका उपचार चल रहा है।

एसटीएफ ने लखनऊ–आगरा एक्सप्रेसवे से था दबोचा

कंपोजिट स्कूल के शिक्षक, उनकी पत्नी और दो बेटियों के हत्यारोपी चंदन वर्मा को एसटीएफ ने शुक्रवार देर रात लखनऊ–आगरा एक्सप्रेसवे से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के पास एसटीएफ ने घटना में प्रयुक्त पिस्टल व बाइक बरामद की है। आरोपी ने घटना अंजाम देना स्वीकार किया है। उसका शिक्षक की पत्नी से प्रेम प्रसंग था। इसीलिए उसने पूरे परिवार की हत्या कर दी।

एसटीएफ के सीओ ने बताया कि रायबरेली जिले के गदागंज थाना क्षेत्र के सुदामापुर गांव निवासी शिक्षक सुनील कुमार और उनकी पत्नी पूनम भारती, बेटी सृष्टि व लाडो की बृहस्पतिवार देर शाम शिवरतनगंज क्षेत्र के अहोरवा भवानी कस्बे में किराए मकान में गोलियों से भूनकर हत्या कर दी गई थी। मामले में शिक्षक के पिता रामगोपाल ने रायबरेली कोतवाली क्षेत्र के तेलियाकोट निवासी चंदन वर्मा को नामजद किया। पुलिस उसकी तलाश में जुटी थी। लेकिन पुलिस गिरफ्तार नहीं कर पाई। शुक्रवार देर रात पता चला कि एसटीएफ ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। पहले पुलिस अफसरों गिरफ्तारी को लेकर चुप्पी साधे रहे, लेकिन देर रात बताया

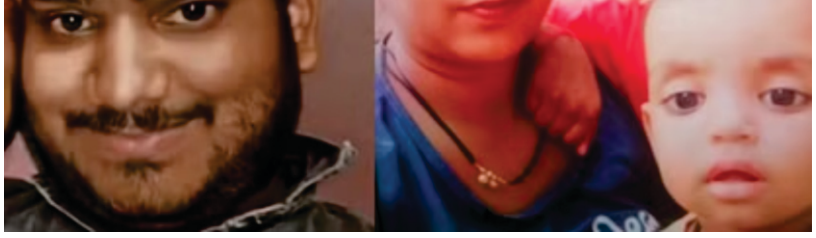

कि एसटीएफ ने उसे पकड़ लिया है। चंदन ने एसटीएफ को बताया कि उसके शिक्षक की पत्नी पूनम उसकी प्रेमिका थी। जब उससे मेरे रिश्ते बिगड़ गए तो उसके पूरे परिवार की हत्या कर दी।

चंदन ने जहरीला पदार्थ खाकर जाने देने का किया था प्रयास

हत्यारोपी चंदन वर्मा ने जहरीला पदार्थ खाकर जान देने का प्रयास भी किया था। जिला अस्पताल के बाद उसका एम्स में इलाज हुआ था।

पूनम भारती ने जब चंदन के खिलाफ छेड़खानी, एससी–एसटी एक्ट के तहत केस दर्ज कराया था तो वह तनाव में आ गया। ऐसे में उसने जान देने की नियत से जहरीला पदार्थ खा लिया था।

हालत बिगड़ने पर परिजनों ने उसे जिला अस्पताल भर्ती कराया था, जहां से उसे एम्स रेफर कर दिया गया था। छेड़खानी की घटना के दौरान पुलिस की पूछताछ में उसने खुद को बेकसूर बताया था। कहा था कि उसके खिलाफ गलत केस दर्ज कराया गया। उसने कोई छेड़खानी नहीं की है। सीओ सदर अमित सिंह ने बताया कि चंदन के खिलाफ केस दर्ज करके कोर्ट में चार्जशीट दाखिल कर दी थी।

चंदन ने अकेले ही पिस्टल से ली पूरे परिवार की जान

पुलिस के अनुसार चंदन ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर शिक्षक, उनकी पत्नी और दो बेटियों की हत्या की। चारों को सात गोलियां लगने की पुष्टि हुई है। मौके से एक मैगजीन, एक जिंदा कारतूस व नौ खोखे बरामद हुए थे। हत्या में पिस्टल का इस्तेमाल किया गया था। सूत्रों के अनुसार चंदन ने एक पिस्टल के साथ अलग से दो मैगजीन रखी थी। परिवार को मारने के दौरान उसने एक मैगजीन खाली कर दी और दूसरी भी लोड कर उससे भी फायरिंग की। वहीं, शुक्रवार को एएसपी हरेंद्र प्रताप ने महज सात खोखा बरामद होने की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि पिस्टल से गोलियां चलाई गईं। मौके से एक मैगजीन, एक जिंदा कारतूस व सात खोखे बरामद हुए हैं। उनका दावा है कि घटना को अकेले चंदन ने ही अंजाम दिया। वह बुलेट से आया था।

कमरे में नहल, आंगन व सीढ़ी के पास पड़े मिले थे शव

चंदन ने शिक्षक परिवार को बचाव का कोई मौका नहीं दिया। उसने अंधाधुंध गोलियां बरसाईं और भाग निकला। घटना के बाद मौके पर पुलिस टीम का कहना है कि शिक्षक, उनकी पत्नी और एक बेटी के शव आंगन में पड़े मिले थे।

पुलिस कार्मिकों को मिलेगा ई-पेंशन प्रणाली का लाभ: योगी

लखनऊ [redacted] शासन के आला अफसरों के साथ उच्च स्तरीय वैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुलिस कार्मिकों को 'ई-पेंशन' से जोड़ने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर पुलिस कार्मिक को समय पर पदोन्नति मिले, उनकी चरित्र पंजिका पर सही विवरण अंकित हो, उनकी योग्यता और प्रतिभा के अनरूप पदस्थापना मिले और सेवानिवृत्ति के समय देयकों का भुगतान समय से हो, यह प्रत्येक दशा में सुनिश्चित किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने पुलिस कार्मिकों को आधुनिक उपकरण उपलब्ध कराने और वेहतरीन प्रशिक्षण के लिए व्यवस्थाओं को और वेहतर करने के भी निर्देश दिए है । पुलिस कॉन्स्टेवल भर्ती परीक्षा का परिणाम इस माह के अंत तक जारी करने की तैयारी करें।

■ पुलिस कॉन्स्टेबल भर्ती परीक्षा का परिणाम इस माह के अंत तक जारी करने की तैयारी करें : मुख्यमंत्री

अपर पुलिस महानिदेशक स्तर के सभी अधिकारियों के साथ विशेष वैठक में मुख्यमंत्री ने एक- एक कर सभी एडीजी से उनकी वर्तमान पदस्थापना अवधि में किये गए कार्यो, अपनाए गए नवाचारों और उपलब्धियों के वारे में जानकारी ली। विशेष वैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस की सभी इकाइयों के वीच वेहतर संवाद और

समन्वय होना चाहिए। वरिष्ठ अधिकारी समय पर कार्यालय आएं। किसी भी कार्यालय में कोई फाइल तीन दिन से अधिक लंवित न हो। यदि किसी तरह की समस्या हो तो डीजीपी कार्यालय, गृह विभाग अथवा सीधे मुझसे समय लेकर मिल सकते है, लेकिन अनिर्णय की स्थिति न होनी चाहिए। फाइल लंवित नहीं रहनी चाहिए।

सीएम ने कहा कि हमारा पुलिस वल आधुनिक उपकरणों से लैस होना चाहिए। अभी 40 अश्वों की आवश्यकता और है, कुंभ में इसकी आवश्यकता पड़ेगी। इनकी खरीद और प्रशिक्षण की प्रक्रिया यथाशीघ्र पूरी की जाए। प्रदेश में पहली वार होने जा रही कंडम वीपन्स के निस्तारण की प्रक्रिया को सावधानी से पूरा किया जाए। वदलते समय के साथ साइवर क्राइम की घटनाएं तेजी से वढ़ी है। हमें इसके लिए हर स्तर पर सतर्क होना होगा। सभी जिलों में साइवर क्राइम थाने स्थापित किये जा रहे हैं। इनके भवन निर्माण की कार्यवाही में अनावश्यक देर न की जाए। भारत सरकार द्वारा साइवर फॉरेंसिक लैव की स्थापना का प्रस्ताव है। इस संवंध में आवश्यक कार्यवाही करें। हर जिले के हर थाने में साइवर हेल्प डेस्क क्रियाशील रखें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल के दिनों में रेलवे ट्रैक पर सिलेंडर, रॉड आदि चीजें मिली है। इसी तरह ट्रेनों पर पत्थर फेंके जाने की घटनाएं भी हुई हैं। यह चिंताजनक है। इसके लिए जीआरपी, आरपीएफ, रेलवे प्रशासन और सिविल पुलिस को मिलकर काम करने की आवश्यकता है। लॉकल इंटेलिजेंस को और मजवूत किया जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पीआरवी 112 के वाहनों की लोकेशनिंग और ठीक किया जाना आवश्यक है। इसके लिए पुलिस कप्तान के साथ-साथ थानाध्यक्ष तक को जवावदेह वनाना होगा। व्लैक स्पॉट को चिन्हित कर वहां वाहनों की तैनाती करें।वीमेन पॉवर लाइन 1090 को और उपयोगी वनाने का प्रयास हो। नगरों में यातायात जाम एक वड़ी समस्या का रूप ले रही है। इसके लिए स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर कार्ययोजना वनाएं।

हरियाणा व जम्मू-कश्मीर में सीएम योगी ने किया धुआंधार प्रचार

लखनऊ (एसएनबी)। देश के दो राज्यों हरियाणा व जम्मू-कश्मीर विधानसभा के चुनावों में भाजपा के लिए यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने धुआंधार प्रचार किया। उन्होंने 6 दिनों में 19 रैलियों को सम्वोधित कर विपक्ष खासतौर से कांग्रेस व राहुल गांधी को निशाने पर रखा। हरियाणा से लेकर कश्मीर तक से सीएम योगी की रैलियों की सवसे ज्यादा डिमांड रही तो अपनी पूरी ताकत पार्टी प्रत्याशियों को जिताने में लगायी। उन्होंने 6 दिनों में 19 रैलियां सम्वोधित की हैं। इनमें जम्मू कश्मीर में 5 रैलियां और हरियाणा में 14 जनसभाएं शामिल हैं। 22 सितंवर से सीएम ने प्रचार का आगाज किया और जहां से भी पार्टी की मांग आयी, सीएम प्रचार करने जा पहुंचे। वह भाजपा शासित मुख्यमंत्रियों में प्रचार के मामले में भी आगे रहे और 19 रैली की। हरियाणा और जम्मू कश्मीर के विधान सभा चुनावों में सीएम योगी की सवसे ज्यादा डिमांड थी। जम्मू कश्मीर में 5 रैलियों में 11 विधानसभा सीटों के लिए किया चुनाव प्रचार करने के साथ ही हरियाणा में 14 जनसभाएं कर 21 विधान सभा सीटों के लिए प्रचार किया।

सड़क गड्ढा मुक्त अभियान के नाम पर हुआ भ्रष्टाचार : अखिलेश

लखनऊ [redacted] सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने शुक्रवार को सड़कों को गड्ढा मुक्त वनाये जाने के सरकार के अभियान को लेकर भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार में गड्ढामुक्त के नाम पर वड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार व लूट हुई है। इस सरकार में विकास कार्य ठप हैं। वजट के पैसों का वंदरवांट हो रहा है। सात साल से भाजपा सरकार गड्ढे नहीं भर पाई। हर साल गड्ढा मुक्त करने के नाम पर हजारों करोड़ रुपये का वजट जारी होता है। फिर उसकी लूट हो जाती है। सड़कें जस की तस रह जाती हैं। सड़कों के गड्ढों के कारण हर दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं। कई लोग मौत के मुंह में जा चुके हैं।

■ सपा प्रमुख ने भाजपा पर साधा निशाना

■ कहा, भाजपा सरकार में ठप हैं विकास कार्य

अखिलेश यादव का कहना है कि सरकार पूरी तरह नकारा सावित हुई है। आम जनता वेवस है। भाजपाई व ठेकेदार इसे अवसर मानकर जश्न मनाते हैं। वजट ऊपर से नीचे तक वंट जाता है। भाजपा ने उत्तर प्रदेश को भ्रष्टाचार का गढ़ वना दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस सरकार में हो रहे हर निर्माण कार्य में भारी लूट हो रही है। मुख्यमंत्री जी पने पूरे कार्यकाल में अव तक सड़कों को गड्ढा मुक्त करने के नाम पर कितनी वार तारीख दे चुके हैं लेकिन कोई असर नहीं पड़ा। जो वजट जारी होता है सव मिलकर डकार जाते हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री के आदेशों को कागज पर सीमित और वेअसर वताया।

सड़क हादसे में 10 लोगों की मौत पर जताया शोक : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने मिर्जापुर में सड़क हादसे में हुई 10 लोगों की मौत पर शोक जताया है। उन्होंने दिवंगत सभी आत्माओं की शांति की प्रार्थना करते हुए संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट की।

सीएम योगी ने कुशाग्र के साथ शतरंज खेल बढ़ाया उत्साह

गोरखपुर : देश के सबसे कम उम्र के एफआईडीई रेटेड खिलाड़ी लिटिल चैंपियन कुशाग्र अग्रवाल के साथ शतरंज खेलते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

गोरखपुर [redacted] मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान देश के सवसे कम उम्र के फीडे (विश्व शतरंज महासंघ) रेटेड और जनपद निवासी खिलाड़ी कुशाग्र अग्रवाल के साथ शतरंज खेल कर उत्साहवर्धन किया। उन्होंने इस लिटिल चैम्प से शतरंज के खेल में मोहरों की चाल और शह-मात पर खूव वात की। कुशाग्र अग्रवाल शुक्रवार को मुख्यमंत्री का आशीर्वाद लेने गोरखनाथ मंदिर पहुंचे थे।

कुशाग्र अभी सिर्फ 5 साल 11 माह के हैं और यूकेजी में पढ़ते हैं। पर, उनकी उपलब्धि उम्र से काफी वड़ी है। 1428 रैपिड फीडे रेटिंग हासिल कर वह इस समय भारत में सवसे कम उम्र के फीडे-रेटेड खिलाड़ी हैं। उन्होंने 4 साल की उम्र में शतरंज खेलना शुरू किया और अपनी प्रतिभा के दम पर एक साल में ही फीडे रेटिंग हासिल कर ली। शतरंज का शुरूआती प्रशिक्षण उन्हें अपनी वहन अविका से मिला जो खुद भी शतरंज की वेहतरीन खिलाड़ी हैं। कुशाग्र अव तक पटना, वेंगलुरु, पुणे में आयोजित लगभग अंतरराष्ट्रीय फीडे रेटेड प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग कर पुरस्कार जीत चुके हैं।

महिलाओं की अधिक भागीदारी से बदलेगी भारतीय राजनीति की तस्वीर : अजय राय

लखनऊ [redacted] प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि इंदिरा फेलोशिप कार्यक्रम कांग्रेस की एक पहल है, जिसे पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की स्मृति में महिलाओं को राजनीतिक क्षेत्र में सशक्त वनाने के लिए शुरू किया गया है। महिलाओं की अधिक से अधिक भागीदारी से भारतीय राजनीति की तस्वीर वदलेगी। कांग्रेस ने हमेशा से महिलाओं को शासन के विभिन्न क्षेत्रों में विशेष रूप से राजनीतिक प्रतिनिधित्व में प्रोत्साहित और सशक्त करने के प्रयास किये हैं। कांग्रेस ने ऐसी नीतियों और पहलों को लागू किया है जो राजनीति और निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में महिलाओं की अधिक भागीदारी सुनिश्चित करती हैं।

■ इन्दिरा फेलोशिप कार्यक्रम कांग्रेस की एक पहल : प्रदेश अध्यक्ष

प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर पत्रकारों से वातचीत में उन्होंने कहा कि हमारे नेता राहुल गांधी महिलाओं की राजनीति और राष्ट्र निर्माण में वड़े पैमाने पर भागीदारी करने के विचार में गहरी रुचि रखते हैं और उन्होंने महिलाओं से इस क्रांति में शामिल होने का आग्रह किया है जिसे शक्ति अभियान कहा जाता है। इंदिरा फेलोशिप शक्ति अभियान का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और इसे उन महिलाओं के लिए एक मंच प्रदान किया गया है जो अपने समुदायों में स्थायी प्रभाव डालने की आकांक्षा रखती हैं। एक राजनीतिक साधन के रूप में यह आंदोलन हक, हिस्सेदारी और पहचान के वुनियादी विचारों पर आधारित है। उन्होंने कहा कि महज एक वर्ष के छोटे से समय में 300 से अधिक फेलो ने 28 राज्यों और 350 व्लाकों में 4300 शक्ति क्लव स्थापित किये हैं जिनमें 31000 सदस्य शामिल हैं जो शक्ति अभियान की स्थापना और संचालन का प्रमुख केन्द्र वन चुके हैं।

यूपी में कायम हो चुका जंगलराज : प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि उत्तर प्रदेश में आज कानून व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो चुकी है और जंगलराज कायम हो चुका है। अमेठी में एक पूरे परिवार की नृशंश हत्या डर पैदा करती है। राजनीति में मुझे 32 वर्ष हो गये लेकिन पहली वार देख रहा हूं कि डेढ़ वर्ष की वच्ची की भी गोली मारकर हत्या कर दी गई।

उन्होंने पत्रकारों से वातचीत में कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यानाथ अपनी नाकामियों को छुपाने के लिए लगातार नफरत और तोड़ने की सियासत कर रहे हैं। उनकी वुलडोजर नीति का जिक्र करते हुए कहा कि जिस तरह से जनपद वहराइच में आम लोगों के मकान गिराये गये वह किसी भी प्रदेश के लिए शर्म की वात है। अगर कोर्ट का भी आदेश था तो भी यह प्रदेश की जिम्मेदारी होती है कि उनके रहने की वैकल्पिक व्यवस्था की जाये। उन्होंने कहा कि योगेश वर्मा वीजेपी के विधायक हैं और वह सार्वजनिक मंचों से आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल करते हैं तो वह समाज में क्या संदेश देना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि आज जिस तरह के हालात प्रदेश में व्याप्त हैं उसमें सीएम योगी को नैतिकता के तौर पर तत्काल इस्तीफा दे देना चाहिए।

इलाहाबाद विवि के पूर्व अध्यक्ष केके राय ने ली कांग्रेस की सदस्यता

लखनऊ [redacted] कांग्रेस नीतियों एवं उसकी विचारधारा से प्रेरित होकर इलाहावाद विश्वविद्यालय छात्र संघ के पूर्व अध्यक्ष, इलाहावाद हाईकोर्ट के अधिवक्ता कमल कृष्णा राय (केके राय) ने अपने समर्थकों के साथ शुक्रवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के समक्ष कांग्रेस पार्टी की प्राथमिक सदस्यता ग्रहण की। प्रदेश अध्यक्ष ने उनके गले में तिरंगा पट्टिका पहनाकर तथा कांग्रेस सदस्यता कार्ड देकर उन्हे विधिवत रूप से पार्टी में शामिल कराया। इस मौके पर पूर्व विधायक अनुग्रह नारायण सिंह, मीडिया विभाग के चेयरमैन डा. सीपी राय, प्रदेश उपाध्यक्ष व प्रभारी प्रशासन दिनेश कुमार सिंह भी मौजूद रहे।

■ प्रदेश अध्यक्ष ने कराया पार्टी में शामिल

इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि हमारे नेता राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा के माध्यम से देश के आम जनमानस के दुख दर्द को समझा तथा भविष्य में उसे दूर करने का आशवासन भी दिया। उनके इस सार्थक प्रयास का ही नतीजा है कि आये दिन प्रदेश के विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता तथा समाज में प्रतिष्ठित अधिवक्ता, शिक्षक, चिकित्सकों द्वारा कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की जा रही है जिससे कांग्रेस का परिवार लगातार वढ़ता जा रहा है। आने वाले समय में इस प्रदेश की जनता इंडिया गठवंधन को जीत दिलाएगी तथा भाजपा की तानाशाह योगी सरकार को सत्ता से वाहर करने का काम करेगी।

सदस्यता ग्रहण करने के वाद केके राय कहा कि राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा और भारत जोड़ो न्याय यात्रा के माध्यम पूरे देश को एक सूत्र में जोड़ दिया और हमारे वक्त के सवसे वड़े लोकतंत्र रक्षक वनकर उभरे हैं। केके राय के साथ सदस्यता ग्रहण करने वालों में अवधेश राय, श्याम कृष्ण, चार्ली प्रकाश, अंशु मालवीय, रमेश कुमार यादव, प्रवल प्रताप, आर्यन कृष्णा, रवीन्द्र सिंह, रमेश कुमार, प्रमोद सिंह आदि शामिल रहे।

कार में महिला सिपाही से गंदी बात !

चलती कार में महिला आरक्षी के साथ घिनौना काम

क्लिक किए आपत्तिजनक फोटो, दूर का रिश्तेदार है आरोपी

कानपुर। उत्तर प्रदेश में महिला पुलिस के साथ चलती कार में घिनौना काम करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि महिला सिपाही के दूर के रिश्तेदार ने गंदी हरकत की और आपत्तिजनक फोटो खींच लिए। हमीरपुर जिले में तैनात एक महिला आरक्षी ने चलती कार में छेड़खानी कर आपत्तिजनक फोटो खींचने व जानमाल की धमकी देने की सदर कोतवाली में तहरीर दी है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्जकर जांच शुरू कर दी है। मूलरूप से ललितपुर निवासी महिला आरक्षी ने सदर कोतवाली में दी तहरीर में बताया कि उसके दूर के रिश्तेदार सूरज योगी ने 13 सितंबर 2024 को फोन कर अश्लील फोटो वायरल करने व जानमाल की धमकी दी।

वह पिछले एक साल से उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहा है। बताया कि 10 अगस्त 2023 को जब वह अपने घर अवकाश पर जा रही थी तो आरोपी उरई बस स्टॉप पर मिला और झांसी छोड़ने का झांसा देकर अपनी कार में बैठा लिया। कार में अश्लीलता की और आपत्तिजनक फोटो ले लिए।

कार उसका एक अन्य दोस्त चला रहा था। भाई को मदद के लिए फोन करने पर आरोपी उसे ग्वालियर बस स्टॉप पर छोड़कर भाग निकले। सदर सीओ राजेश कमल ने बताया कि आरक्षी की तहरीर के आधार पर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। जल्द गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा।

पुत्री से छेड़खानी के मामले में पंचायत में मां के साथ मारपीट

वहीं, फतेहपुर में पुत्री से छेड़खानी का विरोध करने वाली मां को बिरादरी से अलग करने को लेकर गांव में रविवार को पंचायत हुई। विरोध करने पर एक पक्ष के लोगों ने महिला के साथ मारपीट की। पिटाई से महिला को गंभीर चोटें आई हैं। पुलिस ने महिला को मेडिकल को भेजा है। थरियांव थाना क्षेत्र के एक गांव में मंदिर के पुजारी ने किशोरी के साथ छेड़खानी की थी। परिवार की शिकायत पर पुलिस ने पुजारी को गांव से भगा दिया। एक पक्ष के ग्रामीणों ने गांव में पुजारी के पक्ष में रविवार को पंचायत रखी।

पंचायत में महिला के परिवार को बिरादरी से अलग करने की बात कही। किसी को भी परिवार की मदद न करने की हिदायत दी गई। इसका महिला ने विरोध किया। कुछ महिलाओं व पुरुषों ने महिला पर हमला किया। महिला को लात–घूंसों व लाठी–डंडों से मारा पीटा। महिला गंभीर हालत में थाने पहुंची। थाने में दूसरे पक्ष की भीड़ पहुंच गई। पुलिस ने महिला को मेडिकल परीक्षण के लिए भेजा है। थानाध्यक्ष अरविंद कुमार राय ने बताया कि घटना का शिकायती पत्र प्राप्त हुआ है। जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

पूर्वांचल में हर दिन बिक रहा 10 टन हानिकारक चीन का लहसुन, देसी से कम कीमत पर बेच रहे दुकानदार

वाराणसी। पूर्वांचल में प्रतिदिन 10 टन चीन का हानिकारक लहसुन बिक रहा है। इसे बनारस के व्यापारी नेपाल के जरिये ट्रेनों और सड़क मार्ग से मंगाते हैं। ये देसी लहसुन से कम कीमत में बेचे जा रहे हैं। पहड़िया मंडी से लेकर बाजारों में हानिकारक चीन का लहसुन बिक रहा है। पूर्वांचल में प्रतिदिन 10 टन की खपत है। नेपाल के जरिये ट्रेनों और सड़क मार्ग से इसे मंगाया जाता है। व्यापारी चीन का लहसुन 60 रुपये किलो खरीदकर 160 रुपये किलो दुकानदारों को बेच देते हैं। यह लहसुन देसी लहसुन से 50 रुपये कम कीमत पर मिल रहा है। स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होने के बावजूद खाद्य सुरक्षा औषधि विभाग इससे अंजान बना है।

नेपाल के रास्ते चीन का लहसुन मंगाया जा रहा है। पीडीडीयूनगर स्टेशन से होकर आने वाली सीमांचल एक्सप्रेस से चीन के लहसुन की तस्करी की जा रही है। इसके अलावा मालवाहक वाहनों से गाजीपुर, चंदौली, पीडीडीयूनगर, पड़ाव रामनगर समेत तय स्थानों तक पहुंचाया जा रहा है। कस्टम विभाग की ओर से चीन के लहसुन पर काबू करने का प्रयास किया जा रहा है। बावजूद शहर में खुलेआम चीन के लहसुन की बिक्री हो रही है।

विशेश्वरगंज, खोजवां, पांडेयपुर, कचहरी, चेतगंज, सिगरा और सुंदरपुर क्षेत्र में खुलेआम बिक्री हो रही है। शहर में रोजाना 20 से 25 क्विंटल चीन के लहसुन की खपत है। यह लहसुन थोक में 50 से 60 रुपये किलो और फुटकर में 260 रुपये किलो है। देसी लहसुन का भाव इस समय 280 से 300 रुपये किलो है। सब्जी फल व्यापारी आढ़ती जन कल्याण समिति के अध्यक्ष धनंजय मौर्य ने बताया कि चीन के लहसुन पर रोक लगनी चाहिए। मंडी सचिव को अवगत कराते हुए चोरी छिपे चीन के लहसुन का कारोबार करने वाले व्यापारियों के लाइसेंस रद्द कराए जाएंगे। यह लहसुन स्वास्थ्य के लिए हानिकारक और प्रतिबंधित है।

ये है चीन का लहसुन

चाइनीज लहसुन कैमिकल्स के इस्तेमाल से बनता है। इसमें सिंथेटिक प्रोसेस का इस्तेमाल होता है। इसलिए यह एकदम सफेद, साफ और चमकदार होता है। इसके विपरीत देसी लहसुन कुछ क्रीम या पीलापन लिए हुए होता है। चीन के लहसुन को काटने पर इसमें गंध बेहद कम आती है।

होटल, ढाबों और स्ट्रीट फूड वाले खपा रहे चीन का लहसुन

देसी लहसुन की अपेक्षा सस्ता होने के कारण ज्यादातर होटल, ढाबा, रेस्टोरेंट वाले चीनी लहसुन का उपयोग कर रहे हैं। विशेश्वरगंज मंडी के एक व्यापारी ने बताया कि चीन का लहसुन सस्ता होने से मांग अधिक है।

क्या बोले अधिकारी

मंडी सचिव से कहा गया है कि चीन के लहसुन की जांच करें। यदि ऐसा कुछ है तो सैंपल कराया जाए। जांच के लिए फूड इंस्पेक्टरों की टीम लगाई है।

–डा. कौशलेंद्र शर्मा, उपायुक्त खाद्य सुरक्षा

अजय राय के सामने कांग्रेसियों में मारपीट

खिलाड़ी रह गए सन्न

मुरादाबाद में टेनिस खेलकर घर लौट रहे निर्यातक को पड़ा दिल का दौरा, कार में तोड़ दिया दम

कार में उनके साथ शहर के नेत्र रोग विशेषज्ञ डा. अतुल नाथ थे। पीलीकोठी से कांठ रोड पर गाड़ी मोड़ने के कुछ देर बाद ही करन अचेत हो गए। डा. अतुल नाथ ने साथी खिलाड़ियों व करन के घरवालों को सूचना दी। सभी लोग मौके पर पहुंचे और उनके शव को साईं मंदिर रोड स्थित उनके आवास पर लेकर आए।

मुरादाबाद। मुरादाबाद के निर्यातक करन दुग्गल की टेनिस मैच के बाद हार्ट अटैक से मौत हो गई। कार में उनके साथ मौजूद नेत्र रोग विशेषज्ञ ने सूचना दी, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका। दुग्गल अपने भाई के साथ घरेलू साज–सज्जा की फैक्टरी चलाते थे। मुरादाबाद टेनिस खेलकर घर लौट रहे 45 वर्षीय निर्यातक करन दुग्गल की रविवार को हार्ट अटैक से मौत हो गई। यह घटना दोपहर करीब ढाई बजे हुई जब वह पुलिस अकादमी में आयोजित एचएस चड्ढा अंतरराष्ट्रीय टेनिस कप में मैच खेलने के बाद घर लौट रहे थे।

कार में उनके साथ शहर के नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. अतुल नाथ थे। पीलीकोठी से कांठ रोड पर गाड़ी मोड़ने के कुछ देर बाद ही करन अचेत हो गए। डॉ. अतुल नाथ ने साथी खिलाड़ियों व करन के घरवालों को सूचना दी। सभी लोग मौके पर पहुंचे और उनके शव को साईं मंदिर रोड स्थित उनके आवास पर लेकर आए।

टेनिस कप के सचिव अवनीश रस्तोगी ने बताया कि करन ने अपना मैच खेलने के बाद एसिडिटी की समस्या बताई। उन्होंने दवा खाई तो आराम महसूस हुआ। इसके बाद घर के लिए निकल गए और रास्ते में यह घटना हो गई। 45 वर्षीय करन दिल्ली रोड मंगूपुरा में स्थित दुग्गल संस निर्यात फर्म के संचालक थे। वह अपने भाई गगन दुग्गल के साथ फर्म चलाते थे। उनके निधन से निर्यातक भी स्तब्ध हैं। पिछले दो दशक से वह अपने पारिवारिक काम को आगे बढ़ा रहे थे। उनकी फैक्टरी में घरेलू साज–सज्जा का सामान तैयार होता है।

अग्निशमन यंत्र आखिर ट्रेन से कैसे गिरा?

शरारत की ओर इशारा कर रहे ये कई सवाल... आखिर कैसे डाउन लाइन पर पहुंचा फायर सेफ्टी सिलिंडर ?

कानपुर । झांसी–कानपुर रूट पर जिस जगह यह फायर सेफ्टी सिलिंडर मिला है, वहां से गोविंदपुरी स्टेशन की दूरी करीब 500 मीटर है। अगर सिलिंडर ट्रेन के इंजन से टकराता, तो बड़ा धमाका हो सकता था। अग्निरोधी रसायन से अग्निशमन यंत्र भरा हुआ था, जिसे आग लगने पर उपयोग में लाया जाता है। इंजन से टकराने के बाद या उस पर दबाव बढ़ने पर वह फट सकता था।

पुष्पक एक्सप्रेस के लोको पायलट ने सूझबूझ दिखाई और इमरजेंसी ब्रेक लगाकर ट्रेन रोकी। यह इलाका दादानगर औद्योगिक क्षेत्र से बिलकुल नजदीक पड़ता है। रविवार की तड़के पुष्पक एक्सप्रेस के लोको पायलट ने जैसे ही अग्निशमन यंत्र को देखा तो उन्होंने तुरंत अधिकारियों को सूचना दी और उसे लेकर सेंट्रल स्टेशन में आरपीएफ के हवाले कर दिया।

इसकी जांच कराई गई तो इसके गोरखपर से मुंबई जा रही कुशीनगर एक्सप्रेस से गिरने का पता चला है। अब इसकी पड़ताल कराई जा रही है कि फायर सेफ्टी सिलिंडर आखिर कैसे डाउन लाइन पर पहुंचा? यह जानबूझ कर फेंका गया है या किसी की गलती से नीचे गिरा है? बहरहाल कई पहलुओं पर जांच शुरू हो गई है, जिसमें रेलवे के कैरिज एंड वैगन विभाग, आरपीएफ, जीआरपी और अन्य अनुभागों को शामिल किया गया है।

सभी अपनी संयुक्त रिपोर्ट देंगे। डिप्टी सीटीएम आशुतोष सिंह ने बताया कि मंडल की ओर से जांच कराई जा रही है। कई टीमें लगी हुई हैं। यह अपनी संयुक्त रिपोर्ट देगी। आरपीएफ के सीनियर कमांडेंट विजय प्रकाश पंडित ने बताया कि अग्निशमन यंत्र कुशीनगर एक्सप्रेस से गिरने का पता चला है। इसके गिरने की जांच कराई जा रही है। घटना के पीछे शरारत होने से इन्कार नहीं किया जा सकता है।

शरारत की ओर इशारा कर रहे कई सवाल

पांच किलो क्षमता का अग्निशमन यंत्र आखिर ट्रेन से कैसे गिरा, इस पर कई सवाल खड़े हो रहे हैं। यह प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से किसी न किसी शरारत
की ओर इशारा कर रहे हैं।

ट्रेन चलने से पहले सुरक्षा और व्यवस्था की जांच होती है, जिसमें अग्निशमन यंत्र भी शामिल है।

फायर सेफ्टी सिलिंडर होल्डर से अच्छी तरह से फंसे हुए रहते हैं, बिना छेड़छाड़ के गिरने की संभावना कम है।

फायर सेफ्टी सिलिंडर गिरने पर किसी को जानकारी क्यों नहीं हो हुई।

एसी कोच में कोच अटेंडेंट की ड्यूटी रहती है, जिससे गिरने की आशंका न के बराबर है।

गोरखपुर रेलवे को किया गया मैसेज

रेलवे के फायर सेफ्टी सिलिंडर में जीकेपी लिखा है। यह किस तरह से रेलवे ट्रैक पर पहुंचा, इसकी जानकारी के लिए गोरखपुर के कंट्रोल रूम को मैसेज किया गया है। पुष्पक एक्सप्रेस से थोड़ी देर पहले अप लाइन से मुंबई की ओर जाने वाली कुशीनगर एक्सप्रेस गई थी। प्राथमिक जांच में पता चला है कि यह सिलिंडर कुशीनगर एसक्सप्रेस में लगा था। ट्रैक पर कैसे पहुंचा इसकी जांच की जा रही है।

बिहार, झारखंड, पूर्वांचल के शहरों से मांगी संदिग्धों की डिटेल

कानपुर के प्रेमपुर स्टेशन की लूप लाइन पर खाली सिलिंडर मिलने के मामले में बिहार, झारखंड, गोरखपुर, बस्ती, इटावा, शाहजहांपुर के 126 संदिग्धों की डिटेल वहां की पुलिस से मांगी गई है।

इनमें से ज्यादातर रेलवे और अन्य योजनाओं के अंतर्गत चल रहे कार्यों में लगे हुए हैं। यह प्रेमपर स्टेशन के आसपास नजर आए हैं। पुलिस, जीआरपी और अन्य एजेंसियां तकनीक के साथ ही मुखबिर तंत्र के सहयोग से कार्य कर रही हैं। जांच टीमें संदिग्धों की क्राइम हिस्ट्री तलाश रही है कि इन के खिलाफ पूर्व में कोई आपराधिक मामला तो दर्ज नहीं है।

आरपीएफ, जीआरपी ने की पेट्रोलिंग

आरपीएफ, जीआरपी और रेलवे के ट्रैकमैन ने पनकी, भीमसेन, गोविंदपुरी और सेंट्रल स्टेशन के आसपास रेलवे लाइन किनारे पेट्रोलिंग की। इस दौरान आसपास बनी बस्तियों के लोगों को समझाया।

ट्रैक पर किसी तरह की वस्तु न रखने के लिए सचेत किया। उनसे ट्रेनों पर पथराव करने वालों की जानकारी देने में सहयोग करने की अपील की। युवाओं को ऐसे शरारत तत्वों की वीडियो और फोटो मोबाइल से खींचकर भेजने के लिए कहा गया।

रेलवे लाइन पर सिलिंडर, बोल्डर और अन्य वस्तुओं के मिलने की घटनाएं बढ़ने पर आरपीएफ, पुलिस, जीआरपी, रेलवे के तकनीकी स्टाफ ने संवेदनशील प्वाइंट्स की पेट्रोलिंग शुरू कर दी है। यह निगहबानी ज्यादातर देर रात से सुबह तक की जा रही है।

इसमें क्षेत्रीय पुलिस से भी सहयोग लिया जा रहा है। उत्तर मध्य रेलवे की ओर से कई प्वाइंट्स चिह्नित किए गए हैं, जिनपर विशेष तौर पर नजर रखी जा रही है। इसमें घनी बस्ती, क्रॉसिंग, आरओबी और अन्य क्षेत्र शामिल हैं।

छत्तीसगढ़ में 'लाल आतंक' पर सुरक्षा बलों का सबसे बड़ा हमला

मुठभेड़ में 30 नक्सली ढेर

28 नक्सलियों के शव बरामद

- घटनास्थल से एके 47 और एसएलआर समेत कई अन्य हथियार बरामद
- क्षेत्र में नक्सलियों के खिलाफ अभियान जारी

■ नारायणपुर/दंतेवाड़ा [redacted] छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में सुरक्षावलों ने मुठभेड़ में 30 नक्सलियों को मार गिराया। पुलिस अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। वस्तर क्षेत्र के पुलिस अधिकारियों ने वताया कि नारायणपुर-दंतेवाड़ा जिले की सीमा में अवूझमाड़ के थुलथुली गांव के जंगल में सुरक्षावलों और नक्सलियों के वीच हुई मुठभेड़ में सुरक्षावलों ने 30 नक्सलियों को मार गिराया।

पुलिस अधिकारियों ने वताया कि नारायणपुर और दंतेवाड़ा जिले की सीमा में स्थित अवूझमाड़ क्षेत्र में माओवादियों की उपस्थिति की सूचना मिलने पर वृहस्पतिवार को नारायणपुर और दंतेवाड़ा जिले से सुरक्षावल के संयुक्त दल को गोवेल, नेंदूर और थुलथुली गांव की ओर रवाना किया गया था। सुरक्षावल के दल में जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) और विशेष कार्य वल (एसटीएफ) के जवान शामिल थे। पुलिस अधिकारियों ने वताया कि शुक्रवार अपराह्न लगभग एक वजे नक्सलवादियों ने सुरक्षावलों पर गोलीवारी शुरू कर दी, जिसके वाद सुरक्षावल के जवानों ने भी जवावी कार्रवाई की। उन्होंने वताया कि सुरक्षावलों ने इस मुठभेड़ में 30 नक्सलियों को मार गिराया है जिसमें करीव 28 नक्सलियों के शव वरामद किये गए हैं। सुरक्षावलों ने घटनास्थल से एके 47 और एसएलआर समेत कई अन्य हथियार वरामद किये हैं। पुलिस अधिकारियों ने वताया कि मुठभेड़ में सभी जवानों के सुरक्षित होने की जानकारी मिली है। क्षेत्र में नक्सलियों के खिलाफ अभियान जारी है।

वस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पट्टीलिंगम ने 28 नक्सलियों के शव वरामद होने की पुष्टि की है।

नक्सलवाद का खात्मा ही 'डवल इंजन' की सरकार का लक्ष्य

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सुरक्षावलों को वधाई देते हुए कहा कि नक्सलवाद का खात्मा ही 'डवल इंजन' की सरकार का लक्ष्य है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, नारायणपुर-दंतेवाड़ा जिले के सीमावती क्षेत्र में सुरक्षावल के जवानों की नक्सलियों के साथ हुई मुठभेड़ में 28 नक्सलियों के मारे जाने की खवर है। जवानों को मिली यह वड़ी कामयावी सराहनीय है। उनके हौसले और अदम्य साहस को नमन करता हूं। नक्सलवाद के खात्मे के लिए शुरू हुई हमारी लड़ाई अव अपने अंजाम तक पहुंचकर ही दम लेगी, इसके लिए हमारी डवल इंजन सरकार दृढ़ संकल्पित है। प्रदेश से नक्सलवाद का खात्मा ही हमारा लक्ष्य है।

ट्रेड शो में पुलिस स्टॉल प्रथम डीजीपी को सौंपी गई ट्रॉफी

■ लखनऊ [redacted] नोएडा में 25 सितम्वर से पांच दिन चले इंटरनेशनल ट्रेड शो में यूपी पुलिस के स्टॉल को प्रथम पुरस्कार मिला है। एडीजी 112 नीरा रावत ने इस

पुरस्कार के रूप में मिली ट्रॉफी शुक्रवार को डीजीपी प्रशांत कुमार को सौंपी। इस मौके पर उन्हें कॉफी टेव्ल भी दी गई। डीजीपी के निर्देश पर यह स्टॉल लगाया गया था। इसमें यूपी 11, वूमेन पॉवर लाइन, साइवर क्राइम, एसटीएफ, एटीएस विधि विज्ञान प्रयोगशाला आदि के स्टॉल लगे थे। इन स्टॉल पर देश विदेश से काफी लोग पहुंचे। उन लोगों ने यूपी पुलिस के वारे में जानकारी ली। इस स्टॉल पर केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल, गिरिराज सिंह, यूपी के कैविनेट मंत्री खादी एवं ग्राम उद्योग राकेश सचान भी पहुंचे थे।

वेन विवर उपकरण बतायेगा कौन सी नस से चढ़ेगा ग्लूकोज

■ लखनऊ [redacted] अक्सर व्लड सैम्पल लेने या इमरजेंसी में आये गंभीर मरीजों की सही नसों को खोजने के लिए वार-वार निडिल चुभानी पड़ती है, लेकिन अव ऐसा नहीं करना पड़ेगा। वेन विवर (विशेष प्रकार की टॉर्च) से नसों की पहचान की जा सकेगी। इससे विना परेशानी एक वार में व्लड सैम्पल लेने व ग्लूकोज समेत दूसरी दवाओं को चढ़ाया जा सकेगा। यह जानकारी किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के इमरजेंसी मेडिसिन विभाग के प्रमुख डॉ. हैदर अव्वास ने दी।

- नस तलाशने के लिए नहीं चुभोनी पड़ेगी निडिल
- केजीएमयू के इमरजेंसी मेडिसिन विभाग में शुरू हुआ प्रयोग

डॉ.अव्वास शुक्रवार को शताव्दी फेज दो स्थित विभाग में पत्रकार वार्ता को संवोधित कर रहे थे। उन्होंने वताया कि वेन विवर का प्रयोग इमरजेंसी मेडिसिन विभाग में प्रयोग किया जा रहा है। उन्होंने वताया कि वेन विवर का प्रयोग की जानकारी नैमीकान कार्फ्रेंस में दी जाएगी। इसके संचालन करने के लिए प्रशिक्षण दिया जाएगा। डॉ. अव्वास ने वताया कि स्ट्रोक समेत दूसरी गंभीर वीमारी में इमरजेंसी में लाए गए मरीज की हालत वेहद गंभीर होती है। मरीज की जिंदगी के लिए एक-एक मिनट महत्वपूर्ण होता है। मरीजों का व्लड प्रेशर कम हो जाता है। कई वार तो मरीज शॉक में आ जाते है। इसके कारण वैस्कुलर सिस्टम प्रभावित होता है। ऐसे में नसें खोजना मुश्किल होता है। डॉक्टर-पैरामेडिकल स्टाफ व्लड का सैम्पल एकत्र करने व दवा चढ़ाने के लिए नसों को खोजते हैं। इसके लिए वार-वार निडिल चुभोनी पड़ती है। ऐसे में वेन विवर टॉर्च की तरह खास उपकरण से नसों की तलाश आसानी से की जा सकती है। वेन विवर से निकलने वाली अल्ट्रावाइलेंट किरण नसों की सही स्थिति व स्थान वता देती है। इससे मरीज को व्लड सैम्पल देने व वीगो लगाने में परेशानी नहीं होती है। उन्होंने वताया कि कई मरीजों की नस वहुत पतली होती है और उसकी जल्दी पहचान नहीं हो पाती है।

ट्रॉमा सेंटर के सीएमएस डॉ. प्रेमराज ने वताया कि स्ट्रोक के मरीजों की जिंदगी के लिए तीन से साढ़े चार घंटे अहम होते है। इस दौरान इलाज शुरू होने से मरीज की जान वचने की उम्मीद वढ़ जाती है। लेकिन अभी भी लोग स्ट्रोक हुआ है इसे शुरुआत में नहीं मानते हैं।

दिवाली पर 1.86 करोड़ परिवारों को मुफ्त सिललडर देने की तैयारी, 3–4 दिन के भीतर होगा भुगतान

लखनऊ। लाभार्थियों के खाते आधार प्रमाणित होंगे, उनके सिलिंडर खरीदते ही इसके दाम की भरपाई उनके खातों में कर दी जाएगी। खाद्य एवं आपूर्ति विभाग ने दिवाली पर 1.86 करोड़ परिवारों को मुफ्त सिलिंडर देने की तैयारियां पूरी कर ली हैं। प्रदेश सरकार हर साल होली और दिवाली पर उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को यह उपहार देती है। जिन लाभार्थियों के खाते आधार प्रमाणित होंगे, उनके सिलिंडर खरीदते ही इसके दाम की भरपाई उनके खातों में कर दी जाएगी। खाद्य विभाग के सूत्रों के मुताबिक, करीब 1.25 करोड़ लाभार्थियों के खाते आधार प्रमाणित हैं।

69 की उम्र में रेखा ने लूटी आईफा अवार्ड 2024 की महफिल

80 के इस गाने पर डांस कर बांधा समा

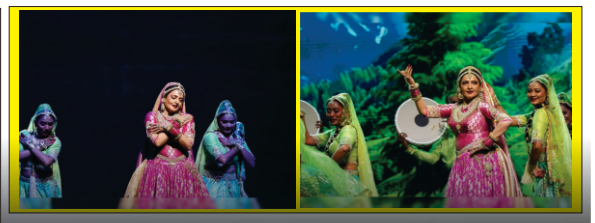

मुम्बई। आईफा अवॉर्ड्स 2024 का आयोजन शुक्रवार को अबू धाबी में हुआ. इस मौके पर साउथ फिल्म इंडस्ट्री से लेकर बॉलीवुड के कई बड़े सितारे पहुंचे. कई मशहूर कलाकारों ने स्टेज पर अपनी परफॉर्मेंस भी दी, जिसकी कई सारी फोटो–वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं और काफी पसंद भी की जा रही हैं. इस दौरान 70 से 80 के दशक में हिंदी सिनेमा से लेकर अपने फैंस के दिलों पर राज करने वाली खूबसूरत दिग्गज एक्ट्रेस रेखा ने भी परफॉर्म किया. उन्होंने अपने 80 के फेमस गानों पर धमाकेदार परफॉर्मेंस दी. जिसने फैंस का दिल जीत लिया.

आईफा अवॉर्ड 2024 का आयोजन सभी के लिए काफी यादगार बन गया. कई बॉलीवुड स्टार्स ने अपनी दमदार परफॉर्मेंस से दर्शकों का दिल जीता. लेकिन हर किसी की नजर तब स्टेज पर टिकी रह गई जब हिंदी सिनेमा की खूबसूरत दिग्गज एक्ट्रेस रेखा ने अपनी शानदार परफॉर्मेंस दी. उन्होंने अपने जबरदस्त डांस से वहां मौजूद सभी लोगों का दिल जीत लिया और पूरे माहौल को खुशनुमा बना दिया. आईफा ने अपने इंटस्टाग्राम पर रेखा की कुछ खूबसूरती तस्वीरें शेयर की हैं.

रेखा की स्टेज परफॉर्मेंस की तस्वीरें और वीडियो इन समय सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रही हैं और छाई हुई हैं. इस दौरान वो गुलाबी और गोल्डन रंग के लहंगे में नजर आ रही हैं. रेखा ने परफॉर्मेंस के लिए गुलाबी रंग के लहंगे के साथ भारी ज्वेलरी पहनी है, जिसमें तीन लेयर वाली माथा पट्टी भी शामिल है. उनका मेकअप भी काफी बोल्ड और हैवी किया गया है. इस पूरे लुक में रेखा बेहद खूबसूरत लग रही हैं और उनके इस स्टाइल ने सोशल मीडिया पर लोगों का दिल जीत लिया. रेखा ने आईफा 2024 के स्टेज पर अपनी और अमिताभ बच्चन की फिल्म 'नटवरलाल' के सुपरहिट गाने 'परदेसिया' पर जबरदस्त परफॉर्मेंस दी, जिसने वहां मौजूद सभी स्टार्स के साथ–साथ दर्शकों का दिल जीत लिया।

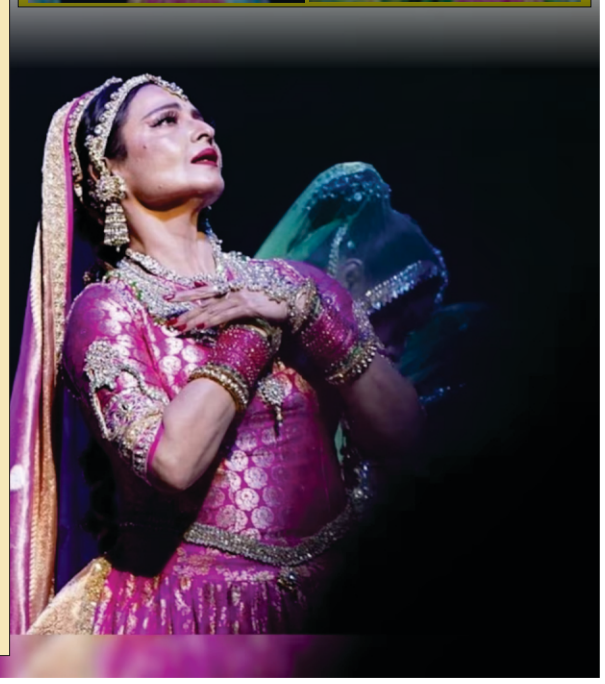

मिथुन चक्रवर्ती को मिलेगा दादा साहब फाल्के अवॉर्ड

एंटरटेनमेंट डेस्क। मिथुन चक्रवर्ती अपने अभिनय से लाखों दिलों पर राज करते हैं। हाल ही में केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए जानकारी दी है कि अभिनेता को भारतीय सिनेमा में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए दादा साहेब फालके पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। दिग्गज अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती को भारतीय सिनेमा में उनके योगदान के लिए दादा साहेब फाल्के पुरस्कार देने का एलान किया गया है। अभिनेता को यह सम्मान 8 अक्तूबर को 70वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह के दौरान दिया जाएगा। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एक्स पर एक पोस्ट के जरिए इस बात की जानकारी दी।

कौन हैं मिथुन चक्रवर्ती ?

मिथुन चक्रवर्ती हिंदी सिनेमा के सबसे लोकप्रिय सितारों में से एक हैं। उनका जन्म पश्चिम बंगाल के डिमला में हुआ था। उन्होंने नीलफामारी सरकारी कॉलेज, रसायन विज्ञान में स्नातक की डिग्री (बीएससी) हासिल की है। उसके बाद उन्होंने फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया से अभिनय की बारीकियां सीखीं।

परिवार का भी है फिल्मों से नाता

मिथुन की पत्नी का नाम योगिता बाली है। वह फिल्म फिल्मों में अभिनय कर चुकी हैं। मिथुन तीन बेटे और एक बेटी के पिता हैं। सबसे बड़े बेटे मिमोह चक्रवर्ती बॉलीवुड की कई फिल्मों में नजर आ चुके हैं। उन्होंने 2008 की फिल्म जिमी से डेब्यू किया था। हॉन्टेड थ्री डी में मिमोह के अभिनय को लोगों ने काफी पसंद किया था।

पहले ही फिल्म के लिए जीता राष्ट्रीय पुरस्कार

मिथुन ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत साल 1976 में मृणाल सेन निर्देशित फिल्म मृगया से की थी। पहली ही फिल्म के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का प्रतिष्ठित राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला था। अपने डेब्यू के बाद उन्होंने दो अनजाने और फूल खिले हैं गुलशन गुलशन जैसी फिल्मों में सहायक भूमिकाएं निभाईं, लेकिन इनसे उन्हें कोई पहचान नहीं मिली। फिल्म डिस्को डांसर से वह देश के साथ विदेश में भी काफी ज्यादा लोकप्रिय हो गए। साल 2022 में वह द कश्मीर फाइल्स में नजर आए थे, जो ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी।

टीवी पर भी दिखा जलवा

फिल्मों के अलावा वह छोटे पर्दे पर भी अपना जादू चला चुके हैं। टीवी रियलिटी शो डांस इंडिया डांस में वह बतौर जज नजर आ चुके हैं। इस शो में उनके अंदाज को दर्शकों ने खूब पसंद किया था।

देवरा

आंध्रावाला से लेकर अदुर्स तक

देवरा से पहले इन फिल्मों में डबल रोल में दिखे जूनियर एनटीआर

एंटरटेनमेंट डेस्क। जूनियर एनटीआर की फिल्म देवरा ने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया है। फिल्म ने पहले दिन सभी भाषाओं में मिलाकर 82.5 करोड़ से अपनी शुरुआत कर सभी को हैरान कर दिया। वहीं, दो दिन में यह फिल्म 100 करोड़ के आंकड़े को आसानी से पार चुकी है। फैंस को यह फिल्म खूब पसंद आ रही है। वहीं, बहुत से लोग इस फिल्म की आलोचना भी कर रहे हैं। इस फिल्म में जूनियर एनटीआर ने डबल रोल किया है। यह पहला मौका नहीं है जब वह दोहरी भूमिकाओं में नजर आए हैं। इससे पहले भी वह पर्दे पर कई बार ऐसा कर चुके हैं। आइए जानते हैं उनकी डबल रोल वाली फिल्मों के बारे में...

जूनियर एनटीआर ने फिल्म आंध्रावाला में डबल रोल निभाया था। यह फिल्म साल 2004 में रिलीज हुई थी। पुरी जगन्नाथ के निर्देशन में बनी यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सकी थी। हालांकि, उनके अलग–अलग किरदारों को दर्शकों ने खूब पसंद किया था। इस फिल्म में उनके साथ रक्षिता, सयाजी शिंदे और राहुल देव जैसे कलाकार भी थे।

यमाडोंगा

तेलुगु फिल्म यमाडोंगा साल 2007 में रिलीज हुई थी। फिल्म का निर्देशन एस एस राजामौली ने किया था। फिल्म जूनियर एनटीआर ने डबल रोल निभाया था। रिलीज के बाद से इस फिल्म को दर्शकों के साथ समीक्षकों की भी अच्छी प्रतिक्रिया मिली थी। बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी।

अदुर्स

साल 2010 में रिलीज हुई फिल्म अदुर्स में जूनियर एनटीआर ने दोहरी भूमिकाएं निभाई थीं। वीवी विनायक के निर्देशन में बनी यह फिल्म एक्शन और कॉमेडी से भरपूर थी। इस फिल्म में, नयनतारा और शीला ने बतौर मुख्य अभिनेत्री काम किया था। इस फिल्म दो जुड़वां भाइयों की कहानी दिखाई गई थी, जो जन्म के समय अलग हो जाते हैं। दर्शकों को अदुर्स में जूनियर एनटीआर के दोनों किरदार काफी ज्यादा पसंद आए थे।

शक्ति

साल 2011 में रिलीज हुई शक्ति का निर्देशन मेहर रमेश ने किया था। फिल्म में जूनियर एनटीआर डबल रोल में थे। इस फिल्म में उनके साथ इलियाना डिक्रूज, विद्युत जामवाल, जैकी श्रॉफ और सोनू सूद जैसे बॉलीवुड सितारे भी नजर आए थे। फिल्म को बड़े पैमाने पर रिलीज किया गया था। हालांकि, बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म संघर्ष करती नजर आई थी।

अभिनय की दुनिया से दूर रहती हैं

जैकी श्राफ की लाडली

एंटरटेनमेंट डेस्कं । कृष्णा श्रॉफ ने अपने बेहतरीन प्रदर्शन के बदौलत खतरों के खिलाड़ी के 14वें सीजन में टॉप पांच में अपनी जगह बना ली। आइए जानते हैं कि फिल्मी दुनिया से दूर रहने वाली जैकी श्रॉफ की लाडली आखिर क्या करती हैं? कृष्णा श्रॉफ इन दिनों खतरों के खिलाड़ी के फिनाले की वजह से सुर्खियों में हैं। इस सीजन में वह आखिरी दौर तक पहुंचने वाली एकमात्र महिला हैं। ग्रैंड फिनाले में उन्होंने करणवीर मेहरा, गश्मीर महाजनी, शालीन भनोट और अभिषेक कुमार के साथ अपनी जगह बनाई है। शो के फिनाले से पहले आइए जानते हैं कि कृष्ण श्रॉफ आखिर कौन हैं?

अभिनेत्रियों को लुक में देती हैं मात

कृष्णा श्रॉफ मशहूर अभिनेता जैकी श्रॉफ की बेटी और टाइगर श्रॉफ की बहन हैं। फिल्मी घराने से ताल्लुक रखने के बावजूद भी वह अभिनय की दुनिया से अब तक दूर हैं। भले ही उन्होंने किसी फिल्म में काम नहीं किया है, लेकिन उनकी लोकप्रियता अभिनेत्रियों से कम नहीं है। अपने लुक से वह बड़ी–बड़ी अभिनेत्रियों को भी मात देती हैं।

इतनी पढ़ी–लिखी हैं कृष्णा

कृष्णा श्रॉफ ने अमेरिकन स्कूल ऑफ बॉम्बे से अपनी स्कूली शिक्षा पूरी की है। इसके आगे की पढ़ाई उन्होंने दुबई से की है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक उन्होंने फिल्म निर्माण और निर्देशन की डिग्री भी ले रखी है।

क्या करती हैं जैकी की लाडली ?

आमतौर पर फिल्मी सितारों के बच्चे पढ़ाई पूरी करने के बाद इंडस्ट्री में ही अपनी जगह बनाने की कोशिश में लगे रहते हैं। हालांकि, कृष्णा ने बाकी सबसे अलग एंटरप्रेन्योर बनने का फैसला किया। अपने भाई टाइगर और मां आयशा श्रॉफ के साथ मिलकर उन्हें मार्शल आर्ट स्टूडियो की शुरुआत की, जिसका नाम एमएमए मैट्रिक्स है। फिटनेस के मामले में भी वह अच्छे–अच्छों को मात देती हैं। उनके कई फिटनेस वीडियो उनके इंस्टाग्राम अकाउंट पर मौजूद हैं।

सोशल मीडिया पर काफी ज्यादा सक्रिय

कृष्णा यूं तो लाइमलाइट से दूर रहना ही पसंद करती हैं, लेकिन अक्सर उनकी बोल्ड तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो जाती हैं। इंस्टाग्राम पर उन्हें 14 लाख लोग फॉलो करते हैं। अक्सर वह अपनी तस्वीरों से इंटरनेट का पारा बढ़ा देती हैं।

दिल्ली फ्रेंचाइजी के रूप में लांच हुई एसजी पाइपर्स, श्रीजेश बने हॉकी निदेशक

नई दिल्ली [redacted] एपीएल अपोलो ग्रुप का हिस्सा एसजी स्पोर्ट्स, मीडिया और एंटरटेनमेंट (एसजीएसई) ने आने वाले हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) के लिए अपनी फ्रेंचाइजी एसजी पाइपर्स के लॉन्च की घोषणा की। दो वार के ओलंपिक पदक विजेता और दिग्गज भारतीय गोलकीपर पीआर श्रीजेश को फ्रेंचाइजी ने हॉकी निदेशक के रूप में नियुक्त किया है, जिससे वह लीग के सवसे हाई-प्रोफाइल नामो में से एक वन गए हैं। इस भूमिका के अलावा श्रीजेश युवा प्रतिभाओं को निखारने में मदद करने के लिए एक सलाहकार की भूमिका भी निभाएंगे।

श्रीजेश एसजीएसई के लिए हॉकी के तकनीकी संचालन की देखरेख करेंगे और टीम को एचआईएल के लिए एक मजवूत फ्रेंचाइजी वनाने की कोशिश करेंगे। भारतीय पुरु ष हॉकी टीम के पूर्व कोच ग्राहम रीड, जिनके कार्यकाल में भारत ने 2021 में टोक्यो खेलों में ओलंपिक पदक जीतकर अपने 41 साल के इंतजार को समाप्त किया। उन्हें

दिल्ली फ्रेंचाइजी की जर्सी का अनावरण करते पीआर श्रीजेश और महेश भूपति।

एसजी पाइपर्स की पुरुष टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है जवकि डचमैन डेव स्मोलेनर्स को महिला टीम का मुख्य कोच वनाया गया है। स्मोलेनर्स वर्तमान में राष्ट्रीय महिला टीम के एनालिटिकल कोच के रूप में भारतीय हॉकी की सेवा कर रहे हैं। एफआईएच ग्रेड वन कोच, स्मोलेनर्स ने नीदरलैंड की जूनियर महिला राष्ट्रीय टीम के लिए लगातार दो विश्व खिताव जीते हैं।

हॉकी इंडिया लीग में समूह के प्रवेश पर वोलते हुए, एसजी स्पोर्ट्स मीडिया और एंटरटेनमेंट के संस्थापक रोहन गुप्ता ने कहा, 'हॉकी वास्तव में भारत का राष्ट्रीय खेल है और हॉकी से जुड़ना हमारे लिए वहुत सम्मान की वात है। भारतीय हॉकी की समृद्ध विरासत हमारी सवसे वड़ी प्रेरणा है और हम इस खेल के लिए एक मजवूत संस्कृति वनाने के लिए प्रतिवद्ध है। हमारे टीम में श्रीजेश, ग्राहम और डेव जैसे नामों के साथ, मुझे यकीन है कि फ्रेंचाइजी एचआईएल के रोमांचक सीजन में प्रभाव डालेगी।'

हॉकी निदेशक के रूप में अपनी नई भूमिका पर पीआर श्रीजेश ने कहा, 'मैं हॉकी निदेशक के रूप में एसजी पाइपर्स का कार्यभार संभालने के लिए उत्साहित हूं। एक पेशेवर एथलीट के रूप में अपने रिटायरमेंट वाद मैं देश में हॉकी खिलाड़ियों की अगली पीढ़ी को तैयार करना चाहता हूं और उस खेल को वापस देना चाहता हूं जिसने मुझे इतना कुछ दिया है। मैं कुछ प्रतिभाशाली युवाओं के साथ काम करने और एसजी पाइपर्स में एक मजवूत टीम संस्कृति वनाने में मदद करने के लिए उत्सुक हूं।'

दुबई : अर्धशतकीय पारी के दौरान शॉट खेलती न्यूजीलैंड की सोफी डिवाइन।

स्नेहा व श्वेता की जोड़ी क्वार्टरफाइनल में

लखनऊ [redacted] लखनऊ की श्वेता राज वर्मा व स्नेहा सिंह ने योनेक्स सनराईज डा. अखिलेश दास गुप्ता यूपी स्टेट सीनियर वैडमिंटन चैंपियनशिप में महिला युगल के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। वीवीडी यूपी वैडमिंटन अकादमी में खेली जा रही चैंपियनशिप में महिला युगल के प्री क्वार्टर फाइनल में श्वेता राज वर्मा व स्नेहा सिंह ने वरेली की तनिष्का अरोरा व वाणी शर्मा को 30-19 से हराया। महिला युगल के अन्य मुकावलों में नित्या शुक्ला व याना गुप्ता ने माही व राधा ठाकुर को 30-15 से हराया। नेहा पाल व विभूति सिन्हा ने वाकओवर के सहारे अंतिम आठ में जगह वनाई। इसके अलावा आदित्या यादव व शिवांगी सिंह, प्रिया द्विवेदी व श्रेयांशी रंजन और रमा सिंह व सुजाता सिंह की जोड़ियो ने भी जीत दर्ज की।

महिला एकल के राउंड 32 में शीर्ष वरीय काजल पंवार ने झांसी की रिशिका यादव को 30-16 से हराया। वहीं यूपी पुलिस की नंदनी यादव ने तीसरी वरीय आगरा की राधा ठाकुर को 30-29

उद्घाटन मौके पर उत्तर प्रदेश वैडमिंटन संघ के चेयरमैन विराज सागर दास व अध्यक्ष डा.नवनीत सहगल के साथ खिलाड़ी व अन्य पदाधिकारी।

से हराकर उलटफेर किया। इसके साथ ही लखनऊ की स्नेहा सिंह ने कानपुर की अनुकृति टंडन को 30-10 से और लखनऊ की त्रिशा सोनकर ने गाजियावाद की स्वाति को 30-23 से हराया। पुरुष एकल के राउंड 64 में शीर्ष वरीय प्रयागराज के अंश विशाल गुप्ता ने यूपी पुलिस के निपुण त्यागी को 30-16 से, दूसरी वरीय लखनऊ के सिद्धांत सलार ने सहारनपुर के अनिरुद्ध सिंह को 30-13 से, उन्नाव के ओजस खन्ना ने भदोही के आयुष यादव को 30-25 से, गोरखपुर के अयान खान ने वरेली के विशाल सिंह को 30-20 से व लखनऊ के सिद्धार्थ मिश्रा ने सहारनपुर के अंश हांडा को 30-20 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया।

इससे पूर्व चैंपियनशिप का उद्घाटन उत्तर प्रदेश वैडमिंटन संघ के चेयरमैन विराज सागर दास व अध्यक्ष डा.नवनीत सहगल ने किया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश वैडमिंटन संघ के उपाध्यक्ष अरुण कक्कड़, कोषाध्यक्ष आनंद खरे, संयुक्त सचिव राजेश सक्सेना, रेफरी रविन्द्र चौहान व लखनऊ वैडमिंटन संघ के सचिव अनिल ध्यानी भी मौजूद थे।

मुलानी व कोटियान ने दिलाई मुंबई को बढ़त

लखनऊ [redacted] फिरकी गेंदवाज शम्स मुलानी और तनुष कोटियान की शानदार गेंदवाजी की वदौलत मुंवई ने शेष भारत के छह विकेट 23 रन के भीतर झटककर ईरानी कप मैच के चौथे दिन महत्वपूर्ण वढ़त हासिल कर ली। भारत रत्न अटल विहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम में शेष भारत के लिए अभिमन्यु ईश्वर ने जोरदार पारी खेलते हुए 191 रन वनाये लेकिन दूसरे छोर से ध्रुव जुरेल (93) के अलावा उन्हें कोई सहयोग नहीं मिल सका। जुरेल और ईश्वरन ने पांचवें विकेट के लिये 165 रन जोड़े। इसके वाद हालांकि मुलानी ने दस मिनट के भीतर दोनों वल्लेवाजों को पवेलियन भेजकर मैच का नक्शा पलट दिया।

मुंवई के पहली पारी के 537 रन के जवाव में शेष भारत एक समय चार विकेट पर 393 रन वनाकर मजवूत स्थिति में नजर आ रही थी लेकिन मुंवई के फिरकी गेंदवाजों ने धड़ाधड़ विकेट झटकर अपनी टीम को वढ़त दिला दी। शेष भारत की टीम पहली पारी में 416 रन पर आउट हो गई जिससे मुंवई को 121 रन की अहम वढ़त मिली। मुंवई ने दूसरी पारी में छह विकेट पर 153 रन वना लिये हैं और उसकी कुल वढ़त 274 रन की हो गई है।

शम्स मुलानी ने 40 ओवर में 122 रन देकर और कोटियान ने 27 ओवर में 101 रन देकर तीन-तीन विकेट लिये। मुंवई के लिये दूसरी पारी में पृथ्वी साव ने 105 गेंद में 76 रन वनाये।शेष भारत के आफ स्पिनर सारांश जैन ने 18 ओवर में 67 रन देकर चार विकेट लिये। वायें हाथ के स्पिनर मानव सुतार ने 17 ओवर में 40 रन देकर दो विकेट चटकाये।

ईरानी कप
- मुलानी और कोटियान ने झटके तीन-तीन विकेट
- शेष भारत के ईश्वर ने 191 रन की पारी खेली
- ध्रुव जुरेल (93 रन) के साथ पांचवें विकेट के लिए 165 रन की साझेदारी की

पहले दिन तीन वल्लेवाजों की ऐशगाह लग रहे विकेट पर चौथे दिन 12 विकेट गिरे जिनमें से 11 स्पिनरों ने लिये। साव ने ऐसी कठिन पिच पर पहले कुछ ओवरों में हमलों का डटकर सामना किया। उन्होंने पहले तीन ओवर में मुकेश कुमार को पांच चौके लगाये जिसके वाद रूतुराज गायकवाड़ ने गेंद स्पिनरों को सौंपी। सारांश और सुतार के आने के वाद मुंवई के विकेट गिरते गए। सुतार ने अजिंक्य रहाणे को और सारांश ने श्रेयस अय्यर को पवेलियन भेजा। साव को सारांश ने वोल्ड किया। साव ने 76 रन की अपनी पारी के दौरान 105 गेंदों का सामना किया और आठ चौके व एक छक्का लगाया।

लखनऊ : प्रताप इंटर नेशनल स्कूल, कानपुर से आये स्कूली छात्र-छात्राओं ने शुक्रवार को विधान भवन का भ्रमण कर विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना से भेंट कर आभार जताया।

दी नेक्स्ट पोस्ट
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला, निकट जानकी बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित। पिनः– 273003
Tital code: UPHIN51019
बृजेन्द्र कुमार
मो0. नं0. 7307180148,9170772370
Email- thenextpost01@gmail.com
नोटः- समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद-विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होगे।